MUMBAI TARANG

व्यवहार घर का
शुभ कलश है,
और इंसानियत
घर की तिजोरी।।

मुंबई तरंग

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-08 ❖ मुंबई ❖ रविवार 13 से 19 फरवरी 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3 विवादों में आदित्य पंचोली

पेज 5 अंकलेश्वर जीआईडीसी स्थित श्री महाकाली फार्मा कंपनी में भीषण आग

पेज 7 सोशल मीडिया सेःदीपिका पादुकोण की 'गहराइयां' में नजर आई उनकी छोटी बहन अनीशा, फैंस ने किया दावा

पेज 8 अब सरकारी गवाह बनना चाहता है सचिन वझे, ईडी को पत्र लिखकर की मांग

महाराष्ट्र के 12 बीजेपी विधायकों का निलंबन वापस

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद विधानमंडल की सदस्यता का अधिकार बहाल

महाराष्ट्र में बीजेपी के 12 विधायकों का निलंबन वापस ले लिया गया है. इसकी घोषणा विधान परिषद के सभापति रामराजे नाइक निंबालकर ने की है. सर्वोच्च न्यायालय ने इन विधायकों का निलंबन असंवैधानिक बताया था. इसके बाद इन 12 विधायकों की विधिमंडल की सदस्यता बहाल कर दी गई है. विधिमंडल ने सर्वोच्च न्यायालय के फेसले का सम्मान करते हुए इन 12 बीजेपी के विधायकों का निलंबन वापस लिया है और उनकी सदस्यता बहाल की है. इन विधायकों को एक साल के लिए निलंबित किया गया था. महाराष्ट्र के इन विधायकों पर विधान भवन परिसर में एंट्री पर बैन लगया गया था. यह बंदी अब उठा ली गई है. अब आने वाले समय में वित्तीय अधिवेशन में उनके तारांकित प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और अन्य कामकाज से जुड़े प्रस्ताव स्वीकार किए जाएंगे. इस तरह ये सभी विधायक अब विधानसभा के कामकाज में शामिल हो सकेंगे.

विधानसभा में बीजेपी के इन 12 विधायकों के निलंबन के बाद यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में गया था. सर्वोच्च न्यायालय ने इस संबंध में फैसला देकर निलंबन की इस कार्रवाई को असंवैधानिक बताया था. सर्वोच्च न्यायालय ने यह फैसला जनवरी महीने में दिया था. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि विधानसभा द्वारा विधायकों को 60 दिनों से ज्यादा निलंबित करने का अधिकार नहीं है.

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद निलंबन वापस लिया गया

सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय के संदर्भ में विधानपरिषद के सभापति रामराजे नाइक निंबालकर, उपसभापति नीलम गोरहे, विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झिरवल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के मुंबई आगमन के बाद उनसे मुलाकात की. सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला विधिमंडल के अधिकारों में हस्तक्षेप करने वाला है, इन शब्दों में राष्ट्रपति से नाराजगी जताई गई. इसके बाद इन 12 विधायकों का निलंबन वापस लेने का फैसला किया गया.

इन 12 विधायकों को निलंबित किया गया था

जिन 12 विधायकों को निलंबित किया गया था, उनमें आशिष शेलार, गिरीश महाजन, अतुल भातखलकर, जयकुमार रावल, संजय कुटे, अभिमन्यू पवार, हरिश पिंपले, राम सातपुते, पराह अलवणी, नारायण कुचे, कीर्तिकुमार बागडिया और योगेश सागर के नाम हैं.

राज्य विधानमंडल के मॉनसून अधिवेशन के दौरान 5 जुलाई 2021 के दिन विधानसभा में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा शुरू रहते बीजेपी के सदस्यों ने सदन में हंगामा किया था. इन विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के सामने राजदंड को उखाड़ दिया था और माइक खींचने की कोशिश की थी.

गोवा का रणः संगठन क्षमता के बलबूते भाजपा को कड़ी टक्कर दे रही आप, दिलचस्प हुआ मुकाबला

गोवा के रण में कहीं त्रिकोणीय तो कहीं चौकोणीय मुकाबला है। लेकिन सत्ताधारी भाजपा को आम आदमी पार्टी (आप) से भी कड़ी चुनौती मिल रही है।

प्रदेश में आप की राजनीतिक क्षमता भले ही नहीं है, लेकिन वह संगठन क्षमता के बलबूते भाजपा को टक्कर दे रही है। सूबे में एकमात्र भाजपा ने सभी 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

10 साल से वनवास झेल रही कांग्रेस

वहीं, 10 साल के बाद राजनीतिक वनवास खत्म होने का इंतजार कर रही कांग्रेस सिर्फ 37 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जबकि आप 40 में से 39 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारकर और एक निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन देकर भाजपा से मुकाबला कर रही है। दस साल तक लगातार सत्ता में रहते हुए भाजपा ने गोवा में कार्यकर्ताओं की मजबूत फौज तैयार की है। वहीं, मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा बेहद कमजोर है। जबकि आप ने साल 2017 के चुनाव में बुरी तरह मात खाने के बाद गोवा में संगठन पर ध्यान दिया और कार्यकर्ता तैयार किए हैं। आप के नेता रुबेन मस्करेन्हास कहते हैं कि हमारे संगठन में युवा और महिलाओं की मजबूत टीम है जिनके बल पर हम गोवा में भाजपा को टक्कर दे पा रहे है।

भाजपा के 21 उम्मीदवार बाहरी

मडगांव के निवासी नरेंद्र कुमार के अनुसार भाजपा ने भले ही सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं लेकिन 40 में से 21 उम्मीदवार बाहरी हैं। इसके कारण भाजपा के मूल कार्यकर्ता और संघ के कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। वहीं, आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार से मुक्ति देने के साथ ही दलबदल की राजनीति को भी चुनाव का मुद्दा बनाया हैं। गोवा में चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं से रूबरू होते हुए केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस को वोट देने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये लोग चुनाव जीतने के बाद भाजपा में चले जाते हैं।

उल्लेखनीय है कि साल 2017 के चुनाव में भाजपा को 13 और कांग्रेस को 17 सीटें मिली थी। इसके बावजूद भाजपा ने सरकार बनाई और साल 2022 तक कांग्रेस के पास एकमात्र पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत ही शेष रह गए थे। बाकी सभी विधायकों ने दलबदल कर लिया था। कांग्रेस के अधिकतर विधायक भाजपा में शामिल हुए हैं और अब चुनाव मेैदान में हैं। कांग्रेस से भाजपा मे आए उम्मीदवारों को जिताने के लिए गोवा भाजपा प्रभारी देवेन्द्र फडणवीस का अधिकतर समय संघ के कार्यकर्ताओं को मनाने में जाया हो रहा है।

महाराष्ट्रः स्किन टू स्किन कॉन्टैक्ट का विवादित फैसला देने वाली जज पुष्पा गनेडीवाला ने दिया इस्तीफा

पोक्सो कानून के तहत यौन उत्पीड़न की विवादित व्याख्या (स्किन टू स्किन कॉन्टैक्ट) करने वाली बॉम्बे हाई कोर्ट की जज पुष्पा गनेडीवाला ने अपना कार्यकाल पूरा होने से एक दिन पहले बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया है। इस मामले में उनकी व्याख्या की काफी आलोचना हुई थी। पिछले कुछ महीनों में वह अपने अजीबो गरीब फैसलों को लेकर चर्चा में थीं। जस्टिस गनेडीवाला फिलहाल अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर हाईकोर्ट की नागपुर पीठ की अध्यक्षता कर रही थीं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न ही उनकी सेवा में विस्तार किया और न ही उन्हें प्रोन्नति दी। जनवरी और फरवरी 2021 में विवादित फैसला सुनाने के बाद शीर्ष अदालत की कॉलेजियम ने जस्टिस गनेडीवाला को स्थायी जज बनाने या अतिरिक्त जज के तौर पर एक साल के सेवा विस्तार पर की गई सिफारिशों को वापस ले लिया था।

ट्रेन यात्रियों को फिर मिलेगी सफर के दौरान भोजन की सुविधा

14 फरवरी से शुरू होगी सेवा

ट्रेन यात्रियों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही सभी ट्रेनों में खाने की सुविधा शुरू की जाएगी। फिर से पके हुए भोजन यात्रियों को सफर के दौरान पूर्व की तरह ही मिलने लगेगा। महामारी को देखते हुए खान-पान की सुविधाओं में उच्च मात्रा में स्वास्थ्यवर्धक सामग्रियों को शामिल किया गया है,जिससे यात्रियों को पौष्टिक आहार मिल सके और वह सुरक्षित महसूस करें।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रेलवे ने सभी ट्रेनों में पका हुआ भोजन बहाल करने का निर्णय लिया है। अभी तक करीब 80 प्रतिशत ट्रेनों में पका हुआ खाना परोसा जा रहा था अब 14 फरवरी तक 100 प्रतिशत ट्रेनों में यात्रियों को पका हुआ खाना मिलने लगेगा। ट्रेनों में स्वास्थ्यवर्धक, शुद्ध-सात्विक भोजन देने का वादा भी भारतीय रेलवे खान-पान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने किया है। यात्रा करने वाले यात्रियों की आवश्यकताओं और देश भर में कोविड लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील के साथ आईआरसीटीसी ने ट्रेनों में पके हुए भोजन

सेवाओं को पुन: शुरू करेगा। रेलवे बोर्ड से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार पके हुए भोजन की बहाली पूरी सावधानियों के साथ यात्रियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। इस तरह की सेवाएं लगभग 428 ट्रेनों में पके हुए भोजन के रूप में बहाल की जा चुकी हैं।

23 मार्च 2020 को कोरोना वायरस महामारी के कारण सुरक्षा उपायों को देखते हुए खान-पान सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था। महामारी को देखते हुए खान-पान की सुविधाओं में उच्च मात्रा में स्वास्थ्यवर्धक सामग्रियों को शामिल किया गया है,जिससे यात्रियों को पौष्टिक आहार मिल सके और वह सुरक्षित महसूस करें।

रेलवे ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी बनाने के लिए 30.76 करोड़ रूपये मंजूर किए

इस बीच रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने दिल्ली के किशनगंज में अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण कुश्ती अकादमी बनाने के लिये 30.76 करोड़ रूपये मंजूर किए हैं। अकादमी पूरी तरह से कुश्ती के लिए होगी, जो सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस देश की सबसे बड़ी अकादमी होगी।

पीएम के बयान पर चिदंबरम का पलटवार

'नेहरू ने गोवा में सही समय पर दखल दिया था, इतिहास से छेड़छाड़ की हो रही कोशिश

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कहना कि गोवा की आजादी में पंडित जवाहरलाल नेहरू की वजह से देरी हुई थी, यह इतिहास से छेड़छाड़ करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने गोवा में सही समय पर दखल दिया था।

समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार चिदंबरम ने इस बात पर भी जोर दिया कि गोवा में आगामी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाला एक भी विधायक इस बार भाजपा के खेमे में नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमारा घर पूरी तरह सुरक्षित है। हालांकि चोर अभी भी बाहर है, लोग उसे सबक सिखाएंगे।'

मोदी और शाह को नहीं पता है देश-दुनिया का इतिहास

चिदंबरम ने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की दुनिया का इतिहास नहीं जानते हैं। उन्हें आजादी के बाद भारत के इतिहास के बारे में पता नहीं है। उन्हें नहीं मालूम है कि जवाहरलाल नेहरू ने कितनी बेहतर तरीके से भारत की कमान संभाली जिससे हमारा देश शांति का एक 'चैंपियन' बन सका।

संसदीय कार्रवाईः बजट सत्र का पहला चरण समाप्त, लोकसभा में 121 फीसदी रही उत्पादकता

संसद के बजट सत्र का पहला हिस्सा शुक्रवार को समाप्त हो गया। इस दौरान हुई दस बैठकों में लोकसभा की उत्पादकता 121 प्रतिशत रही। पहला हिस्सा राष्ट्रपति के अभिभाषण और आम बजट पर चर्चा केंद्रित रहा। सत्र का दूसरा हिस्सा अब 14 मार्च से शुरू होगा।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर के बीच शुरू हुए सत्र में भी सदस्यों ने देर रात तक काम किया। इस दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर 15 घंटे 13 मिनट तो आम बजट पर 15 घंटे 33 मिनट चर्चा हुई। दोनों ही चर्चाओं में 141 सदस्यों ने भागीदारी की। प्रश्नकाल में 160 सवालों के मौखिक जवाब दिए गए।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने की, जबकि चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। दोनों के भाषण चर्चा का विषय बने। राहुल ने जहां सरकार पर संघीय ढांचे तो तबाह करने का आरोप लगाया, वहीं प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर अलगाववाद का बीज बोने का आरोप लगाया।

दिखी विधानसभा चुनाव की छाया

पहले हिस्से में उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा की छाप दिखाई दी। चुनाव के कारण कई सदस्य अलग-अलग राज्यों में चुनाव प्रचार में व्यस्त रहे। चुनाव के कारण ही पेगासस जासूसी मामले में हुए खुलासे, महंगाई, बेरोजगारी जैसे विषयों पर संसद के दोनों सदनों में तनातनी नहीं दिखाई दी। बजट सत्र का दूसरा हिस्सा 14 मार्च से आठ अप्रैल तक चलेगा। इसमें 19 बैठकें होंगी।

पति को पीटा फिर सातवें माले से फेंक दिया

मुंबई से एक हृदय विदारक घटना की खबर आई है। एक व्यक्ति को उसकी पत्नी व बेटे ने पहले बुरी तरह पीटा और फिर सातवें माले से नीचे फेंक दिया। इससे उसकी मौत हो गई। खबरों के अनुसार हत्या की इस जघन्य वारदात को इसलिए अंजाम दिया गया क्योंकि पिता अपने बेटे को न्यूजीलैंड में पढ़ाई करने जाने के लिए पैसा नहीं दे रहा था। यह घटना मुंबई के अंबोली इलाके में हुई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी मां-बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मां और बेटे ने पहले उस व्यक्ति को पीट-पीट कर हत्या का प्रयास किया, लेकिन जब वह नहीं मरा तो दोनों ने उसे इमारत की सातवीं मंजिल से नीचे फेंक दिया। मृतक की पहचान संतान शेषाद्री 55 के रूप में हुई। अंबोली पुलिस स्टेशन के अधिकारी रौफ शेख के अनुसार घटनास्थल की जांच में बेडरूम में खून के दाग मिले। कुछ कपड़ों पर भी खून लगा हुआ था। पूछताछ में मृतक की पत्नी जयशिला ने बताया कि उसके पति ने आत्महत्या की कोशिश की। पहले भी वह दो बार ऐसा कर चुके थे। पूछताछ के दौरान पता चला कि परिवार में अक्सर झगड़े होते थे।

ममता बनर्जी ने पार्टी में बढ़ती कलह के बीच बुलाई शीर्ष नेताओं की आपात बैठक

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी में बढ़ती कलह को देखते हुए शीर्ष नेताओं की अपने आवास पर आपात बैठक बुलाई है। सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी के सूत्रों ने बताया कि बैठक शनिवार शाम को होने वाली बैठक में मात्र छह वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, महासचिव पार्थ चटर्जी, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष सुब्रत बक्शी और मंत्री फरहाद हाकिम, अरूप बिस्वास और चंद्रिमा भट्टाचार्य हिस्सा लेंगे। इसमें पार्टी में मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी। पार्टी नेताओं द्वारा दिए जा रहे परस्पर विरोधी बयानों को पार्टी प्रमुख ने सही नहीं माना है। वह इसे लेकर पार्टी नेताओं को सख्त संदेश दे सकती हैं। सूत्रों का कहना है कि बनर्जी बैठक में 28 फरवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव को लेकर रणनीति पर भी चर्चा कर सकती हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल में शुक्रवार को आंतरिक कलह उस वक्त खुलकर सामने आ गई जब अभिषेक बनर्जी के करीबी कुछ नेताओं ने ट्वीट कर एक व्यक्ति, एक पद की नीति की वकालत की। इसका हाकिम समेत पुराने कई नेताओं ने विरोध किया और कहा कि यह पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन है। पार्टी के अंदर पुराने दिग्गजों और नए पीढ़ी के नेताओं के बीच वर्चस्व स्थापित करने को लेकर तनातनी चल रही है।

बेकाबू ना हो महंगाई

रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी (MPC) ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। यह लगातार दसवां मौका है, जब दरें जस की तस रखी गईं। आखिरी बार 22 मई 2020 को पॉलिसी रेट में बदलाव हुआ था। तब ब्याज दरें घटाई गई थीं। आरबीआई जिस दर पर बैंकों को उधार देता है, उस रेपो रेट को 4 फीसदी पर बनाए रखा गया। आरबीआई के पास पैसा जमा करने पर बैंकों को मिलने वाली ब्याज दर यानी रिवर्स रेपो रेट को भी 3.35 फीसदी पर रहने दिया गया। अनुमान लगाया जा रहा था कि इस बार आरबीआई रिवर्स रेपो रेट में 0.15-0.40 फीसदी तक बढ़ोतरी करेगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। रिजर्व बैंक के दरों में बदलाव ना करने की वजह यह है कि वह इकॉनमिक रिकवरी को सपोर्ट देना चाहता है। इससे पहले बजट में सरकार ने वित्त वर्ष 2023 में कैपिटल एक्सपेंडिचर में 35 फीसदी से अधिक बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था। केंद्र को ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि अभी कंस्यूमर डिमांड कमजोर है। इस वजह से निजी क्षेत्र की ओर से बहुत निवेश नहीं हो रहा। सरकार को लगता है कि उसके अधिक पैसा खर्च करने से आर्थिक विकास दर में तेजी आएगी। लिहाजा रोजगार बढ़ेगा और लोग अधिक पैसा खर्च करेंगे। इससे डिमांड की दिक्कत दूर हो सकती है। रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में बदलाव ना करके एक तरह से सरकार की इस नीति को समर्थन दिया है। इतना ही नहीं, रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि जब तक ग्रोथ टिकाऊ नहीं हो जाती, तब तक वह कर्ज महंगा नहीं करेगा।

लेकिन इसमें एक पेच है। देश में महंगाई बढ़ रही है। खुदरा महंगाई दर भले ही रिजर्व बैंक के 6 फीसदी की अधिकतम सीमा से कम हो, लेकिन थोक महंगाई दर बहुत ऊंची है। इससे खुदरा महंगाई दर आने वाले वक्त में बढ़ेगी। इस बीच, कच्चे तेल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है। यूं तो पांच राज्यों में चुनाव को देखते हुए तीन महीने से अधिक वक्त से देश में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं, लेकिन यह स्थिति चुनाव खत्म होने के बाद बदल सकती है। तब तेल की कीमतों का असर भी महंगाई पर पड़ेगा। उधर, अमेरिका में महंगाई दर 7 फीसदी के करीब पहुंच गई है, जो 80 के दशक की शुरुआत के बाद सबसे ज्यादा है। इसलिए वहां मार्च से ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू हो सकता है। इसी वजह से भारतीय शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशक कुछ महीनों से पैसा निकाल रहे हैं। रिजर्व बैंक को यह पक्का करना होगा कि इससे रुपया कमजोर ना हो। यह भी देखना होगा कि सस्ती ब्याज दरों की वजह से किसी भी एसेट क्लास में बुलबुला ना बने और सबसे बड़ी बात यह है कि महंगाई बेकाबू ना हो क्योंकि वह खासतौर पर गरीबों के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक होती है।

हिजाब की आड़ में

किरीट ए. चावड़ा

कर्नाटक के उडुपी में हिजाब पहनने को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ते हुए यहां तक पहुंच गया कि मंगलवार को राज्य भर के स्कूल, कॉलेज तीन दिनों के लिए बंद करने पड़े। विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ, जब उडुपी के एक कॉलेज में छह लड़कियों को अंदर जाने से इस आधार पर रोक दिया गया कि वे हिजाब पहने हुए हैं।

विवाद में अगला मोड़ तब आया, जब कुछ लड़के भगवा गमछा डालकर आ गए। उनका कहना था कि अगर लड़कियों को हिजाब पहनने दिया गया तो हम भी भगवा गमछा डालेंगे। इसके बाद यह मामला आसपास के इलाकों में भी फैल गया और तनाव बढ़ने लगा। बहरहाल, ध्यान देने की बात है कि एक शहर के एक कॉलेज का छोटा सा मामला जो थोड़ी सी समझदारी से सुलझाया जा सकता था, न केवल एक महीने तक जारी रहा बल्कि फैलते हुए पूरे राज्य में इतने बड़े बवाल का कारण बन गया। इस मामले पर अब न केवल हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है बल्कि राज्य सरकार भी नियम-कानूनों का हवाला दे रही है, लेकिन कुछ समय पहले तक उस पूरे इलाके में तो क्या उस कॉलेज में भी हिजाब को लेकर कोई विवाद नहीं था। अचानक ऐसा क्या हो गया कि बीजेपी विधायक की अगुआई में चलने वाले उस कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने से रोकने का नियम लागू करना अनिवार्य हो गया? फिर यह सवाल भी है कि जो विवाद कुछ लड़कियों और कॉलेज प्रशासन के बीच था, उसने राजनीतिक रंग कैसे ले लिया? साफ है कि यह विवाद जितना स्वतःस्फूर्त लगता है, उतना है नहीं। परदे के पीछे से इसमें राजनीति अहम भूमिका निभा रही है। इस इलाके में बीजेपी और पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रैटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के बीच चलने वाली रस्साकशी ही इस विवाद के मूल में है। हिजाब के समर्थन और विरोध में प्रदर्शन कर रहे लड़के-लड़कियों को एसडीपीआई की स्टूडेंट विंग सीएफआई और बीजेपी की स्टूडेंट विंग एबीवीपी का समर्थन हासिल है। मगर दोनों के बीच राजनीतिक वर्चस्व की इस लड़ाई का नतीजा यह हुआ है कि जिन बच्चों को आपस में मिल-जुलकर पढ़ाई पर ध्यान लगाना चाहिए था वे पहनावे के आधार पर एक-दूसरे को अपने विरोधी और दुश्मन की तरह देख रहे हैं। यह स्थिति न केवल शैक्षिक सत्र के लिए नुकसानदेह है बल्कि स्कूल-कॉलेजों के माहौल को लंबे समय तक के लिए दूषित कर सकती है। हालांकि मामला कोर्ट में भी है और जैसा कि हाईकोर्ट ने कहा है, इसके कानूनी पहलुओं पर बड़ी बेंच सुनवाई करेगी, लेकिन इस बीच सरकार और कॉलेज प्रशासन को अपने स्तर पर मामला जल्द से जल्द सुलझाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए।

तो देश का सबसे बड़ा मुद्दा हिजाब है?

गणेश पाण्डेय

संसद में बहस चल रही थी। विपक्ष मुद्दे उछाल रहा था और सत्ता पक्ष अपने तरीके से जवाब परोस रहा था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यही होता आया है। खासकर ऐसे समय में जब यूपी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हों तो हर बात पर गौर किया जाता है। सवाल भी होते हैं और जवाब भी देने होते हैं। यह निर्णायक वक्त होता है जब जनता हिसाब चाहती है कामों का, वादों का और वादाखिलाफी का। ऐसे समय में कब किसका इंटरव्यू चैनलों पर आया, कब किसने कहां क्या बोला, कब कहां क्या घटना घटी.... सबके मायने बन जाते हैं या निकाल लिए जाते हैं। चुनाव के मौसम में ध्रुवीकरण भी इन्हीं सबसे जन्म लेता है। अब जरा दिल्ली की संसद से कर्नाटक की भूमि पर चलिए। क्या हो रहा है? सब अपना समझा रहे हैं। कोई कह रहा है कि हिजाब इस्लाम में अनिवार्य ही कहां है। दूसरा पक्ष वो वीडियो ढूंढ लाया है, जिसमें कथित तौर पर छात्र इकट्ठा किए गए भगवा टोपी और गमछे को लेते दिखाई देते हैं। अगर आपने मुस्लिम छात्रा मुस्कान का वो वीडियो देखा होगा तो आप समझ गए होंगे कि उस दिन कॉलेज परिसर में क्या हुआ था। चारों तरफ से भगवा गमछा उछाल रहे 'मासूम विद्यार्थियों' की भीड़ थी और सामने एक अकेली छात्रा, जो 'जय श्री राम' के नारे का जवाब 'अल्लाह हू अकबर' से दे रही थी। मैंने ही नहीं, जिसने भी यह दृश्य देखा अच्छा नहीं लगा। हम तो राम-रहीम को मानने वाले लोग हैं। कोई कैसा, क्या किया है इसके लिए हमारे भारत की संस्कृति तो नहीं बदलेगी न। लेकिन इस घटना के बाद देशभर ही नहीं पाकिस्तान और दूसरे मुल्कों में भी यह खबर सुर्खियां बनी। उसके बाद देश में ज्ञानी सामने आ गए। यह बताने की जल्दी होने लगी कि हिजाब इस्लाम में कबूल है या अनिवार्य है या क्या है। मतलब हमें इस्लाम की जानकारी हो न हो, हम उलेमा या मौलाना या शरीया विशेषज्ञ हों न हो, हम कोर्ट या संविधान को जानते हों न हों लेकिन हम चौधरी बनेंगे और अपनी बात रखेंगे कि बताइए ऐसा होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए। कम से कम विद्यालय में उद्दंडता का विरोध तो होना ही चाहिए था। हिजाब मुद्दा कर्नाटक में जनवरी में शुरू हो गया था। उडुपी के सरकारी कॉलेज में 6 मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनकर कक्षा में बैठने से रोका गया। कॉलेज ने यूनिफॉर्म नियम को वजह बताया। इसके बाद छात्राओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की और तर्क रखा कि हिजाब पहनने की इजाजत ना देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 25 के तहत मौलिक अधिकार का हनन है। याद कीजिए कुछ साल पहले, शायद तब भी चुनाव रहे होंगे। गाय, गोशाला और गोरक्षकों का मामला देश में सबसे बड़ा मुद्दा बन गया था। ऐसा लग रहा था कि अब गौ माता के अच्छे दिन आ जाएंगे। कम से कम

सड़क के किनारे पड़े सड़ रहे कूड़े वाली पन्नी को खाने जैसी दुखद तस्वीरें देखने को नहीं मिलेंगी। कितना बदल गया समाज? सरकारों ने क्या किया, अभी क्या दिखाई देता है?.... आप खुद देख और समझ सकते हैं। सांड का संरक्षण या उनके लिए व्यवस्था कम दिखती है, रात में दो बजे टॉर्च या लालटेन लेकर किसान मेड़ पर खड़े ज्यादा दिखते हैं। समस्या यह है कि हम एक तरफ खड़े होकर विमर्श का हिस्सा बनना चाहते हैं। सही को सही या गलत को गलत नहीं कहते। अगर हिजाब में लड़कियां बरसों से स्कूल आती रही हैं तो आज ऐसा क्या हो गया कि अचानक सबको अखरने लगा? अगर बदलाव करना भी है तो धार्मिक बदलाव या कहें धार्मिक उत्थान या अच्छा शब्द यह होगा कि धार्मिक सुधार के लिए एक तरीका होता है। हिंदू धर्म में भी सुधार हुए हैं और सबने स्वीकार किया है और शायद इसीलिए हिंदू धर्म को सबसे अलग समझा जाता है क्योंकि यह इतना उदार है कि ईश्वर को न मानने वाला भी सनातनपंथी हिंदू हो सकता है। अगर इस्लाम से जुड़ी किसी प्रथा को विद्यालय से दूर रखना भी है तो स्थानीय नियम से तो नहीं हो सकता। धर्म की बात आती है तो धार्मिक विशेषज्ञों, धर्मगुरुओं का सहयोग लिया जाना चाहिए था। लेकिन अचानक फतवा की तरह नियम थोपे जाते हैं तो विरोध होने की आशंका तो रहेगी ही और हुआ भी वही है। अब दूसरी तरफ माहौल को समझिए, हमने देश को किस दिशा में लाकर पहुंचा दिया है कि हिजाब का विरोध करने के लिए पढ़ने वाले कथित छात्र भगवा गमछा कंधे पर डालकर विरोध करने कॉलेज पहुंच गए। कुछ लोग इस पर फक्र भी कर रहे हैं। जबकि इस करतब का पढ़ाई से कोई लेना देना नहीं है। न ही यह सिलेबस में था और न ही ये करना जरूरी था क्योंकि भगवा का कोई अपमान तो हो नहीं रहा था। मामला कोर्ट में चला गया था और फैसला आता। फिलहाल यह बड़ी बेंच के पास पहुंच गया है। विरोध का भी अपना तरीका होता है। वैसे तो हम बार-बार लोकतंत्र का मंदिर कहते संसद को नहीं अघाते और मां सरस्वती के मंदिर तुल्य विद्यालय में हम क्या संदेश दे रहे हैं? हिजाब का जवाब भगवा... अच्छा होता हिजाब का मसला मुस्लिम धर्मगुरुओं के पास जाता या सरकार अपने स्तर पर ऐसा नियम लागू करती और उसमें यह जताने की कोशिश होती कि समानता का यह नियम सबके लिए है। ऐसे में न कोई हिजाब में आएगा, न कोई दूसरे धार्मिक वस्त्र पहनकर विद्यालय में पहुंचेगा। लेकिन नहीं, हमें तो बेरोजगारी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पानी, गरीबी, लाचारी, भीख मांगते भिखारी, एमआरपी के नाम पर ज्यादा रुपये ऐंठते कारोबारी, दवा कंपनियों और डॉक्टरों की साठगांठ न जाने कितने मुद्दे हैं जो हमें नहीं दिखते हैं जिस पर हम देश में आंदोलन करके राष्ट्रीय मुद्दा बना सकें। इस तरह के गुस्से से बचने के लिए जनता को ही जागरूक बनना होगा जिससे कोई हमारी मासूमियत का किसी दूसरे अर्थ में फायदा न उठा सके। वह चाहे भावनात्मक हो या सियासी... ऐसे मुद्दों पर हम उछलेंगे तो जान लीजिए 5 साल के लिए ऊंची कुर्सियों पर बैठे लोगों का ही फायदा होगा।

एक आखिरी बात

कुछ लोग कहते हैं कि सियासी लोग दूसरी टोपी क्यों पहनें? अपने धर्म का पालन करने में कैसी शर्म? मेरा अपना यह सोचना है कि कोई आम आदमी ऐसा कहे तो चलता है लेकिन जब आप लोगों के रहनुमा बन जाते हैं तो किसी एक धर्म के अनुयायियों के नहीं आप अपने निर्वाचन क्षेत्र या प्रदेश, देश के नेता होते हैं। हिजाब बनाम भगवा जैसे गलत संदेश से बचने के लिए ही शायद कुछ साल पहले तक तिलक लगाने वाले नेता और मंत्री रमजान में टोपी में भी फोटो खिंचवा लिया करते थे, जिससे यह संदेश जाए कि हम सबके हैं और सब हमारे हैं कोई 20-20, 50-50 या 80-20 नहीं है। भगवा को संघ से जोड़कर देखा जाता है। सुखद यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मुस्लिम शाखा ने कर्नाटक की छात्रा मुस्कान खान का समर्थन किया है।

88 साल बाद एक हैत मिथिलांचल आ सीमांचल

भूपेन्द्र पटेल

वर्ष 1934 मे आयल प्रलयकारी भूकंप मे मिथिला कें बहुत बेसी नोकसान उठाबय पड़ल छल। लोकक जान-माल केर क्षति केर संगहि कतेको प्राचीन धरोहर सभकें सेहो बहुत बेसी नोकसान पहुंचल। एतबी नहि, भूकंप सं मिथिला सेहो दू भाग मे बंटि गेल। ओ एना कि कोसी नदी पर बनल रेल पुल रिक्टर स्केल पर 8 केर तीव्रता सं आयल भूकंप सं पूर्ण रूपेण ध्वस्त भ' गेल।

कोसी पर पुल टुटला सं मिथिला दू भाग मे बंटि गेल। नतीजा भेल कि दरिभंगा-मधुबनी केर संपर्क सहरसा-सुपौल आ कि पूर्णियां-भागलपुर सं कटि गेल। दरिभंगा-मधुबनी रेल रूट केर सभसं अंतिम रेलवे स्टेशन निर्मली सं सरायगढ़ जयबा मे महज 20-25 मिनट लागैत छल। ई दूरी बढ़ि कय 300 किलोमीटर भ' गेल। एकरा चलते दुनू दिसका लोकक बीच आन-जान प्रभावित भेल जकर असर आपसी रिश्ता पर सेहो पड़ल। खासकय दुनू दिसक लोकक बीच विवाह संबंध लगभग खत्म भ' गेल।

ओना तकरीबन 10 साल पहिने ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर हाईवे बनला केर बाद मिथिलाक ई दुनू हिस्सा फेर सं एक भ' चुकल अछि। मुदा आब 88 साल बाद रेल परिचालन सेहो शुरू होमय जा रहल अछि जाहि सं ई दूरी आर कम भ' जैत। एहि पुल के बनि गेला सं दरिभंगा प्रमंडल के करीब 1.27 करोड़ आ कोसी प्रमंडल केर 1.21 करोड़ लोक कें फायदा हैत। एक बात आर, एहि रेल पुल सं केवल मिथिले केर लोककें फायदा नहि हेतैन। जं कनेक विस्ताररूपेण देखी त' एकरा सं बिहारक अलावा नॉर्थ ईस्ट के राज्य बंगाल,

असम, अरुणाचल आ किछु दोसर राज्य कें सेहो फायदा भेटत। उदाहरण केर रूप मे कही त' दिल्ली सं गुवाहाटी केर सफर करीब चारि-पांच घंटा कम भ' जैत। जाहि ट्रेन कें एखन दिल्ली सं गुवाहाटी लेल पटना केर बाद बरौनी, बेगूसराय, कटिहार आ बंगाल घूमि कें जाय पड़ैत अछि ओ सीधे समस्तीपुर सं दरिभंगा, झंझारपुर होइत गुवाहाटी निकलि जैत। तें ई कहबा मे कोनो हिचक नहि जे एहि रेल पुल केर इंतजार केवल मिथिले केर लोक कें नहि बल्कि नॉर्थ ईस्ट केर किछू राज्य कें सेहो अछि। ओना एकरा सं मिथिला मे रेल नेटवर्क केर विस्तार सेहो हैत आ दिल्ली सं नॉर्थ ईस्ट राज्य केर लेल ई प्रमुख रेल लाइन भ'जैत।

आब बात करैत छी जे कि अछि एकर वर्तमान स्थिति आ कहिया धरि अछि शुरू होयबाक अनुमान। 6 जून 2003 कें तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी कोसी नदी पर बनल ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पुल केर समानांतर रेल पुलक आधारशिला राखने छलाह। शुरुआत मे त' काज मंथर गति सं चलल मुदा बाद मे रफ्तार पकड़लक आ आब ई पूर्णरूपेण बनि कें तैयार अछि। एकरा पर रेल परिचालन सेहो शुरू भ' गेल अछि जकर उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर 2020 मे विडियो कॉन्फ्रेंसिंग केर माध्यम सं कयलनि। वर्ष 2016 मे निर्मली सं सकरी लाइन पर लेल गेल मेगा ब्लॉक के बाद आब एखन स्थिति ई अछि जे दरिभंगा सं झंझारपुर धरि आ ओम्हर सहरसा सं कुपहा तक रेल परिचालन भ' रहल अछि। दरिभंगा सं झंझारपुर के बीच एखन मात्र एक जोड़ी सवारी गाड़ी केर परिचालन भ' रहल अछि। कुपहा सं निर्मली धरि सेहो सीआरएस निरीक्षण भ' चुकल अछि आ जं सभ किछु ठीक-ठाक रहल त' अहि महीना केर अंत धरि रेल परिचालन शुरू भ' जैत। मतलब ट्रेन सहरसा सं निर्मली धरि आबि जैत।

एम्हर झंझारपुर सं निर्मली धरि रेल लाइन सेहो बनि कें तैयार अछि। तमुरिया तक त' ट्रेन केर ट्रायल रन सेहो शुरू भ' चुकल अछि। घोंघरडीहा आ निर्मली केर बीच सेहो काज लगभग पूरा भ' चुकल अछि। उम्मीद अछि कि अगिला महीना केर अंत धरि दरिभंगा सं निर्मली तक गाड़ी पहुंचि जैत। मतलब अप्रैल मे एहि रेल मार्ग पर दरिभंगा सं सहरसा तक रेल परिचालन शुरू भ' जैत जकरा बाद हम कहि सकैत छी जे मिथिलांचल आ सीमांचल फेर सं एक भ' जैत। मतलब दुनू दिसका लोकक 88 सालक बहुप्रतिक्षित इंतजार खत्म भ' जैत। दू साल पहिने दरिभंगा एयरपोर्ट शुरू भेला केर बाद यातायात केर क्षेत्र मे मिथिला के लेल ई एकटा बहुत पैघ सौगात हैत।

राष्ट्रगायिका को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

मीरा- भायंदर :- भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया , स्वर कोकिला, स्वर सम्राज्ञी, सुरों की देवी जैसे अन्य कई नामों से विख्यात लता मंगेशकर का जाना संगीत प्रेमियों के साथ सभी को रुला गया। पूरे देश मे लोगों ने अपने अपने तरीके से उनको श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रवादी कांगेस पार्टी के चित्रपट कला साहित्य कला एवं सांस्कृतिक विभाग के कलाकारों ने भी अपने अंदाज में लता जी को स्वरों की स्वरांजलि, अर्थात श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रवादी कार्यालय मीरा रोड पर श्रद्धांजलि का कार्यक्रम रखा गया, यहां बड़ी मात्रा में एनसीपी के कार्यकर्ता आए और चित्रपट विभाग के कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से, संगीत के माध्यम से लता जी के गाने गाकर उन्हें श्रद्धांजलि 'स्वरांजलि' अर्पित की । इस कार्यक्रम में लता जी को गुरु मां मानने वाले अभिजीत घोषाल ने उनके गाने गाए और उन गानों में क्या विशेषता है , उसके बारे में भी बताया ।लता जी के कई जाने अनजाने पहलू पर भी चर्चा कीऔर सभी को लता जी के एक शतक से चले आ रहे गीत संगीत और संघर्ष के बारे में बात की । चित्रपट साहित्य कला एवं सांस्कृतिक विभाग के जिला अध्यक्ष रोहित गुप्ता बताते हैं, कि उन्होंने संगीत की देवी लता जी को स्वरांजलि देने के लिए इस कार्यक्रम की कल्पना की और उनके विभाग के पदाधिकारियों के सहयोग से पूर्ण किया, इस कार्यक्रम की विशेषता यह थी लता जी को श्रद्धांजलि देने के लिए जो गायक और वाद्य कलाकार थे वह सभी चित्रपट साहित्य कला एवं संस्कृति विभाग के पदाधिकारी ही थे । इस कार्यक्रम में चित्रपट विभाग के साथ अभिजीत घोषाल -

पार्श्वगायक , रोहित गुप्ता - अध्यक्ष , कुलदीप मालुसरे - कार्याध्यक्ष , सुषमा पवार - गायिका , समृद्धी दि कारेकर - प्रवक्ता ,शशिकांत माघाडे - प्रवक्ता ,अशोक गेहलोत - सरचिटणीस ,राजीब पुरकायस्त - जिल्हा संघटक ,अलेक्स पिल्लई - जिल्हा सचिव ,भरत न. सोलंकी - जिल्हा संघटक , चंद्रकांत वाघेला - ढोलक वादक ,राकेश गेहलोत - सहसचिव ,प्रणित गायकवाड - सहसचिव ,सूरज शर्मा - जिल्हा उपाध्यक्ष ,योगेश सिंह - जिल्हा सचिव , लक्ष्मण राठोड - जिल्हा उपाध्यक्ष ,अमोल सिंह - जिल्हा महासचिव, धनराज गुप्ता - जिल्हा सचिव , सुमित मोरे - जिल्हा सचिवने स्वरांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लिया । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय में आयोजित इस स्वरांजलि कार्यक्रम में बोलते हुए जिलाध्यक्ष अंकुश मालुसरे ने कहा लता जी के जाने से संगीत की दुनिया सुनी हो गई वही प्रदेश सचिव मोहन पाटील ने कहा कि हमारे देश का एक रत्न चला गया इसकी भरपाई हो पाना बहुत मुश्किल । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने नम आंखों से लता जी को श्रद्धांजलि देकर इस स्वरांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अंकुश मालुसरे के साथ , अरुण कदम , मोहन पाटिल , साजिद पटेल, जाकी पटेल, रामानंद गुप्ता , कृष्णा कांबळे , रमेश कवटेकर, बाबूराव भिलारे, रमजान खत्री, जितेंद्र सिंग मोंगा, विक्रम तारे पाटिल, बाबूराव शिंदे, अनिल साबले, रोहित हिंगे, विवेक पवार , विलास सावंत, नरेंद्र भाटिया, भरत डगली, इमरान खान, गुलाम नबी फारूकी, नुमान रहमान , गणेश लांबे , शाहनवाज सिद्दीकी एवं मुख्य प्रवक्ता प्रेम यादव उपस्थित रहे। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई जिसमें अन्नू ताई पाटिल, सुप्रिया ताई माइनकर , वनाजारानी नायडू , हेमलता गायकवाड़ ,कमर जहाँ सैफी , मंजू जाधव , विद्या जाधव ,जयश्री गायकवाड़ , शिला पाटिल,सारिका गायकवाड़ ,विजयंता पिसे सोनल डीसा प्रीति शर्मा ,फरहत शेख के साथ कई महिला पदाधिकारी मौजूद रही।

विवादों में आदित्य पंचोली

अभिनेता आदित्य पंचोली एक बार फिर विवादों में हैं। मुंबई के जुहू पुलिस थाने में उनके खिलाफ मारपीट और धमकी देने की शिकायत दर्ज हुई है। आदित्य के खिलाफ बॉलीवुड के प्रोड्यूसर सैम फर्नांडीस ने यह कंप्लेंट दर्ज करवाई है। हालांकि, इसी मामले में सैम के खिलाफ आदित्य पंचोली ने भी क्रॉस कंप्लेंट दर्ज करवाई है। मुंबई पुलिस जल्द अभिनेता और निर्माता को बुलाकर पूछताछ कर सकती है। फिल्म निर्माता सैम फर्नांडीस ने मुंबई के एक होटल में कथित तौर पर उन्हें गाली देने, धमकाने और मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। जुहू पुलिस का कहना है की फिल्म प्रोड्यूसर सैम ने अपने शिकायत में ये आरोप लगाया है कि आदित्य पंचोली उन पर अपने बेटे सूरज पंचोली को सैम फर्नांडिस कि फिल्म 'हवा सिंह' में जबरन कास्ट करना चाहते हैं, लेकिन सैम दूसरे एक्टर्स को भी ध्यान में रख कर काम कर रहे थे। बस इसी बात से आदित्य पंचोली नाराज हो गए और उन्होंने सैफ फर्नांडिस के साथ मारपीट की और फोन कर धमकाया भी।

बंद होगी ओपीडी, नहीं करेंगे सर्जरी, मांगों को अनदेखा करने पर सरकार को डॉक्टरों की चेतावनी

मुंबई: सरकारी मेडिकल कॉलेज में अस्थायी रूप से कार्यरत सहायक मेडिकल प्रेफसर्स की मांगों को सरकार अनदेखा कर रही है। बीते 25 दिनों से अनशन कर रहे इन डॉक्टरों की सूध लेने को सरकार तैयार नहीं है।

इसके चलते डॉक्टरों में सरकार के खिलाफ रोष बढ़ता जा रहा है। डॉक्टरों ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर जल्द ही उनकी मांगें पूरी नहीं की गई, तो आगामी सप्ताह से आंदोलनकारी डॉक्टर्स न ही ओपीडी में अपनी सेवाएं देंगे और न ही रूटीन सर्जरी करेंगे। पिछले 25 दिनों से चरण बद्ध तरीके से अस्थायी रूप से काम कर रहे सहायक मेडिकल प्रेफसर जेजे अस्पताल परिसर में सेवा में स्थायी, सातवें वेतन आयोग की तरह वेतन आदि अपनी मांगों को लेकर अनशन कर रहे हैं। इसके बाद भी इनकी मांगों को सुनने के लिए न ही सरकारी अधिकारी आ रहे और न ही इन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। महाराष्ट्र स्टेट मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन मुंबई के अध्यक्ष डॉ. सचिन मुलकुटकर ने बताया कि सरकार को जगाने के लिए प्रेफसर्स अनोखा आंदोलन कर रहे है, लेकिन सरकार सुनने को तैयार नही है। उल्टे हमें सरकारी अधिकारी अपमानित कर अपने कार्यालय से खदेड़ चुके हैं। मरीजों की सेवा प्रभावित न हो, इसलिए अब तक हमने ओपीडी आदि सेवाएं जारी रखी है। अब हमारे पास अपनी मांगों को मनवाने के लिए और कोई विकल्प नहीं बचा है। डॉक्टरों की स्ट्राइक का यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी कई बार डॉक्टरों ने अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर हड़ताल की है। कई बार महाराष्ट्र के रेसिडेंट्स डॉक्टरों ने भी हड़ताल का रास्ता अख्तियार किया है।

हिजाब का विवाद महाराष्ट्र में फैला-मुंबई,पुणे के बाद मालेगांव में हजारों की संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने किया प्रोटेस्ट, 'हिजाब दिवस' मनाने का किया ऐलान

कर्नाटक से शुरू हुआ हिजाब का विवाद महाराष्ट्र में भी फैलता जा रहा है। बीड, मुंबई और पुणे के बाद गुरुवार शाम हजारों की संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने नासिक के मालेगांव में प्रोटेस्ट किया है। इस प्रदर्शन में बाहरी संख्या में मुस्लिम युवक भी शामिल हुए। बता दें कि आज हुए प्रदर्शन को जिला प्रशासन ने मंजूरी नहीं दी थी, इसके बावजूद हजारों की संख्या में महिलाएं यहां प्रदर्शन करने पहुंची थी। हिजाब दिवस को सफल बनाने के लिए आज शहर में मुस्लिम महिलाएं हिजाब पहन कर बाहर निकल रही हैं। प्रोटेस्ट से पहले जिलाधिकारी कार्यालय तक एक छोटा मार्च भी निकाला गया। जमीयत उलेमा की ओर से शहर के अजीज कल्लू मैदान में आयोजित इस प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि हिन्दू लड़कियां शादी के बाद मंगलसूत्र पहनकर कॉलेज आती हैं, सिंदूर ,बिंदी लगाकर आती हैं तो अगर वह अपने धर्म का पालन कर रही हैं तो

उनकी तरह मुस्लिम लड़कियां भी अपने धर्म का पालन क्यों न करें? एक मुस्लिम छात्र नेता फारुखी लूखमान ने कहा कि मुस्लिम लडकियों को भी उनके धर्म के मुताबिक चलना है। उन्हें हिजाब और बुरखा पहनना है। प्रदर्शन में शामिल मौलाना मुफ्ती मो. इस्माइल ने कानून और धर्म के मुद्दे पर उपदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार देता है। इसके अनुसार मुस्लिम महिलाओं को हिजाब-बुर्का पहनने का संवैधानिक अधिकार है। इसे कोई नहीं छीन सकता। शहर के अजीज कल्लू मैदान में हिजाब प्रतिबंध के विरोध में मुस्लिम महिलाएं एकत्र हुई।

महाराष्ट्र के कई शहरो में हुए प्रोटेस्ट

इससे पहले पुणे में मुस्लिम महिलाओं के साथ एनसीपी के कार्यकर्ताओं ने प्रोटेस्ट किया था। इसके विरोध में हिन्दू महासंघ की महिलाओं ने भगवा साड़ी पर बच्चों के साथ सड़क मर मार्च निकाला था। महिलाओं ने कहा कि अगर मुस्लिम लड़कियां हिजाब पहन कर स्कूल आएंगी तो वे अपने बच्चों को पारम्परिक हिन्दू पोशाक में स्कूल भेजेंगे। इससे पहले मुंबई में मुस्लिम महिलाओं ने हिजाब के समर्थन में एक हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए हजारों बुर्कानशीं महिलाओं के सिग्नेचर लिए थे। बीड के चौराहों पर भी 'पहले हिजाब और फिर किताब' के पोस्टर लगाए गए। यह बैनर बीड शहर के शिवाजी महाराज चौक, बशीर गंज चौक, राजुरीवेस के आस-पास के क्षेत्र में लगाए गए हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद इसे हटा दिया गया था। बुलढाणा में हिजाब की पृष्ठभूमि पर भी धारा 144 लागू बुलढाणा जिले में भी आंदोलन की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने धारा 144 लगा दी है। आज शहर में होने वाली सभी रैलियों, प्रदर्शन और आंदोलन को रद्द कर दिया गया है। कलेक्टर के आदेश से धारा 144 अगले आदेश तक जारी रहेगी।

संजय राउत का लेटर बम-शिवसेना सांसद ने कहा- मुझपर ठाकरे सरकार को गिराने का दबाव बनाया जा रहा है; ED के जरिए मुझे फंसाने की कोशिश

शिवसेना के राज्य सभा सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को एक लेटर लिख केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। शिवसेना सांसद ने लेटर में कहा है- मुझपर ठाकरे सरकार को गिराने का दबाव बनाया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ED) पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। लेटर में राउत ने कहा कि ED के जरिए मुझे हर तरीके से फंसाने की कोशिश की जा रही है। 17 साल पहले मैंने एक जमीन खरीदी थी, उस मामले में ED ने जांच शुरू की है। ED मेरी बेटी की शादी में खर्च हुए पैसों की भी जांच कर रही है। जिन वेंडर्स ने मेरी बेटी की शादी में काम किया था उन्हें परेशान किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति के साथ-साथ राउत ने एनसीपी चीफ शरद पवार, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता विपक्ष मलिकार्जुन खड़गे, आप नेता संजय सिंह, समाजवादी पार्टी नेता राम गोपाल यादव समेत कई नेताओं को भी इस लेटर की कॉपी भेजी है। राउत ने सभी से उनका सपोर्ट करने का भी आग्रह किया है। संजय राउत ने इस बात का भी जिक्र किया है कि कुछ समय पहले कुछ लोगों ने उनसे महाराष्ट्र सरकार गिराने को लेकर संपर्क किया था, ताकि महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव हो सके जिस पर संजय राउत ने उन्हें साफ इनकार किया। शिवसेना सांसद का कहना है कि इन लोगों ने मदद ना करने पर बड़ी कीमत चुकाने की धमकी भी दी थी। संजय राउत के मुताबिक उनके अलावा महाराष्ट्र के दो सीनियर कैबिनेट मंत्री और महाराष्ट्र के 2 सीनियर लीडर्स को भी PMLA एक्ट के तहत जेल में भेजने की बात कही गई थी। संजय राउत ने पत्र में कहा है कि उन्होंने इस सब के लिए भीख नहीं मांगी है।

महाराष्ट्र में वाइन को सुपर मार्केट में बेचने का विवाद-अन्ना हजारे ने 14 फरवरी से फैसले के खिलाफ आमरण अनशन का किया ऐलान, CM को भेजा लेटर

अन्ना हजारे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पहला पत्र लिखकर तीन फरवरी को आबकारी नीति का विरोध किया था।

वाइन को सुपर मार्केट और वाक-इन स्टोर में बेचने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ अब वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे ने आंदोलन करने का ऐलान किया है। बुधवार को अन्ना ने सीएम उद्धव ठाकरे को एक 'स्मरण पत्र' भेजा है। इसमें उन्होंने सरकार को अपना फैसला वापस न लेने पर 14 फरवरी से आमरण अनशन पर बैठने का ऐलान किया है।

अन्ना हजारे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पहला पत्र लिखकर तीन फरवरी को आबकारी नीति का विरोध किया था, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इसके बाद मुख्यमंत्री को फिर से याद दिलाने के लिए उन्हें 'स्मरण पत्र' भेजना पड़ रहा है। अन्ना ने यह भी कहा कि मैंने इस संबंध में डिप्टी सीएम अजित पवार को भी पत्र लिखा है,

लेकिन उनका भी कोई जवाब नहीं आया है।

इस फैसले से लोगों में शराब की लत लगेगी

इससे पहले अन्ना हजारे ने इस पॉलिसी को लेकर कहा था कि नशामुक्ति की दिशा में काम करना सरकार का कर्तव्य है। लेकिन मुझे यह देखकर दुख होता है कि सरकार वित्तीय लाभ के लिए फैसले ले रही है, जिसके कारण शराब की लत लगेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसले राज्य को किस दिशा में ले जाएंगे यह बड़ा सवाल है?

सरकार के इस फैसले के पीछे यह था तर्क

गौरतलब है कि महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार ने पिछले महीने राज्य के सुपरमार्केट्स और वॉक-इन स्टोर्स पर वाइन की बिक्री के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। महाराष्ट्र सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देने के पीछे तर्क दिया था कि राज्य में वर्तमान में फलों, फूलों और शहद से वाइन बनाई जा रही है। इस फैसले से वाइन बनाने वाली छोटी कंपनियों और राज्य के किसानों को फायदा होगा।

फिल्मकार रवि टंडन का 87 साल की उम्र में निधन

मुंबई, प्रख्यात फिल्म निर्माता-निर्देशक रवि टंडन का शुक्रवार तड़के उनके आवास पर निधन हो गया। वह 87 साल के थे। टंडन ने अभिनेता अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'खुद्दार' और ऋषि कपूर-नीतू कपूर अभिनीत फिल्म ''खेल-खेल में'' जैसी चर्चित फिल्मों का निर्देशन किया था। रवि टंडन मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन और अभिनेता राजीव टंडन के पिता हैं। परिवार के सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' वह गत कुछ सालों से लंग फाइब्रोसिस से ग्रस्त थे और आज तड़के सुबह तीन बजकर 30 मिनट पर श्वासरोध (रेस्पेरेटरी फेल्योर) से उनका निधन हो गया।''रवीना टंडन ने भी इंस्टाग्राम पर अपने पिता के निधन की जानकारी देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। जूही चावला, चंकी पांडेय,नीलम कोठारी, युविका चौधरी, नम्रता शिरोडकर सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने भी रवि टंडन के निधन पर शोक व्यक्त किया।

शिक्षिका से छेड़छाड़

शिक्षिका से छेड़छाड़ की गई है। इससे वाड़ी थाने में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पीड़ित 32 वर्षीय विवाहिता वाड़ी क्षेत्र की निवासी है। वह किसी निजी स्कूल में शिक्षिका है। आशीष तेजराव रंगारी (31) नामक व्यक्ति उसका पीछा करता था। वह हमेशा घूरते रहता था। इससे मामला थाने पहुंचा। प्रकरण दर्ज किया गया है।

बारातियों के बीच घुसा रिक्शा चालक, प्रकरण किया गया दर्ज

बारातियों के बीच रिक्शा चालक घुस गया, जिससे हंगामा हो गया। कुछ समय के लिए तनाव का माहौल भी बना रहा। मामला कलमना थाने पहुंचा। असंज्ञेय श्रेणी के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। बुधवार को कलमना क्षेत्र से बारात गुजर रही थी। बाराती डांस कर रहे थे, तभी अचानक एक रिक्शा चालक अचानक बारात में घुस गया और बातारियों से अभद्र बर्ताव करने लगा। इससे गाली-गलौज हो गई। नौबत हाथापाई तक आ गई। घटित प्रकरण से बाराती थाने पहुंचे। असंज्ञेय प्रकरण दर्ज किया गया है, लेकिन इससे कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बना रहा।

तृतीय पंथियों के दो गुट फिर आपस में भिड़े

वसूली को लेकर तृतीय पंथियों के दो गुट फिर आपस में भिड़ गए। मारपीट और चाकू निकालने के आरोप एक दूसरे पर लगाते रहे। जिससे एक गुट बुधवार को यशोधरा नगर थाने पहुंचा। समाचार लिखे जाने तक प्रकरण दर्ज होना बाकी था। तृतीय पंथियों में वसूली को लेकर लंबे समय से रंजिश जारी है। कई बार उनमें टकराव भी हुआ। मामले थाने भी पहुंचते रहे। इस बीच बुधवार को एक गुट ने दूसरे गुट के तृतीय पंथी पर चाकू निकाला और जान से मारने की धमकी दी। इसका पता चलते ही दस से पंद्रह तृतीय पंथी यशोधरा नगर थाने में आ धमके। प्रकरण को लेकर दिनभर थाने में डटे रहे। परंपरागत शैली में ताली बजाकर प्रदर्शन भी किया। इससे कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बना रहा। समाचार लिखे जाने तक प्रकरण दर्ज होना बाकी था।

सट्टा-पट्टी अड्डे पर छापा, दो सटोरिए गिरफ्तार

गिट्टीखदान इलाके में चल रहे सट्टा-पट्टी अड्डे पर पुलिस ने छापा मारा। अड्डे से दो सटोरियों को गिरफ्तार किया गया। सटोरियों के नाम विनायक रामचंद्र गडपायले (54) वायुसेनानगर, हजारी पहाड़, गिट्टीखदान और सूरज उरकुड़ा मेश्राम (27) कमाल चौक निवासी है। पुलिस उपायुक्त विनीता साहू के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस दस्ते ने कार्रवाई की। पुलिस सूत्रों के अनुसार विशेष दस्ते को गुप्त सूचना मिली कि शिवाजी चौक गिट्टीखदान में खुले मैदान में विनायक गडपायले व सूरज मेश्राम सट्टा-पट्टी का अड्डा चला रहे हैं। पुलिस उपायुक्त विनीता साहू ने कार्रवाई का आदेश दिया। सटोरिए विनायक गडपायले व सूरज को सट्टा-पट्टी की खायवाली करते हुए पकड़े गए। विनायक गडपायले से नकदी 1000 व सट्टा-पट्टी जब्त किया गया। सूरज मेश्राम से नकदी 600 रुपए व सट्टा-पट्टी के आंकड़े जब्त किया गया। दोनों आरोपियों से मोबाइल, सट्टा-पट्टी सहित करीब 13,760 रुपए का माल जब्त किया गया। आरोपियों पर गिट्टीखदान थाने में मामला दर्ज किया गया।

युवक की हत्या का प्रयास

अंबाझरी क्षेत्र में एक तरफा प्रेम के चक्कर में युवती को परेशान करने वाले बदमाश सतीश चन्ने पर घातक शस्त्र से हमला कर उसकी हत्या का प्रयास किया गया। आरोपी को युवती के परिजनों ने दो बार समझाइश की, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। घटना 8 फरवरी की रात करीब 10 बजे हुई। अंबाझरी पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सतीश चन्ने अंबाझरी क्षेत्र का कुख्यात बदमाश है। वह मसराम गिरोह से जुड़ा है। सतीश पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसे सेंट्रल जेल में बंद किया जा चुका है। सतीश किसी युवती से एक तरफा प्रेम करता था।

शराब पीने से मना किया, तो बोतल मार दी

दुकान के सामने शराब पीने से मना करना सिक्योरिटी गार्ड को उस वक्त महंगा पड़ा, जब शराबियों ने उस पर हमला कर दिया। मंगलवार की रात बर्डी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। छोटी धंतोली मेहाडिया चौक निवासी गजानन वनवे (65) बर्डी मोदी नंबर तीन में विला नामक मोबाइल दुकान में सिक्योरिटी गार्ड है। मंगलवार की रात सवा दस बजे दो शराबी दुकान के सामने ही शराब पीने बैठ गए थे, लेकिन दुकान के सामने शराब पीने से गजानन ने उन्हें फटकार लगाई और वहा पर शराब पीने से मना कया। इस बात को लेकर गजानन का उनसे विवाद हो गया। तैश में आकर शराबियों ने शराब की बोतल फोड़ी और गजानन पर हमला किया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमलावर शराबियों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

अपने बच्चे को मोबाइल फोन से कैसे दूर रखें?

हाल ही में यह इतना स्पष्ट हो गया है कि कई छोटे बच्चे मोबाइल फोन पर इतने निर्भर हैं कि वे इससे कुछ मिनट भी दूर नहीं रह सकते हैं।

कई माता-पिता अब सवाल पूछ रहे हैं जैसे:

'मैं अपने बच्चे को मोबाइल फोन के अति प्रयोग से बचाने के लिए क्या कर सकता हूं?'
'मैं अपने बच्चे को मोबाइल फोन से कैसे दूर रख सकता हूं?'
'मैं अपने बच्चे को मोबाइल फोन का आदी बनने से कैसे रोक सकता हूं?'

मोबाइल फोन के दुष्परिणाम

माता-पिता के रूप में, आपको बच्चों पर मोबाइल फोन के हानिकारक प्रभावों के बारे में पता होना चाहिए। व्यवहार संबंधी समस्याएं, गैजेट की लत, अवसाद, नींद की गड़बड़ी, मोटापा, ध्यान और सुनने की समस्याएं और तंत्रिका तंत्र की समस्याएं मोबाइल फोन के अति प्रयोग के कुछ दुष्प्रभाव हैं। जबकि समस्या दुनिया भर में चिंता बढ़ा रही है, समाधान स्पष्ट दृष्टि में छिपे हुए हैं।

मोबाइल फोन के उपयोग को कैसे नियंत्रित करें?

अपने बच्चे को व्यस्त रखें:

सिकुड़ते खेल के स्थान के साथ, अधिक से अधिक बच्चे घर के अंदर रहने को मजबूर हैं। नतीजतन, बच्चे अपना समय खिलौनों के साथ खेलने में व्यतीत करते हैं। कुछ स्मार्टफोन जैसे गैजेट्स से भी जुड़ जाते हैं, जो मनोरंजन उपकरणों के रूप में भी दोगुना हो जाते हैं। ऐसा होने से रोकने के लिए, अपने बच्चे को दौड़ने और खेलने के लिए समय बिताने के लिए पार्क या पास के खेल के मैदान में ले जाएं।

अपने बच्चे से बात करें:

स्मार्टफोन स्क्रीन पर दिखने वाले जीवंत रंग और एनिमेशन बच्चों को आकर्षक लगते हैं। अपने बच्चे से इस बारे में बात करें कि उसे क्या देखना पसंद है। क्या उसने पात्रों का वर्णन किया है, कहानी का वर्णन किया है। जब फोन स्विच ऑफ करने का समय हो, तो कहानी बनाकर अनुभव का विस्तार करें।

एक अच्छा उदाहरण सेट करें:

कई माता-पिता अपने स्मार्टफोन पर बहुत समय बिताते हैं। ऐसे मामलों में, बच्चों को मोबाइल का उपयोग न करने के लिए कहने से मदद नहीं मिल सकती है, क्योंकि वे अपने माता-पिता के नक्शेकदम पर चलने के लिए बाध्य हैं। इसलिए, अपने मोबाइल फोन के उपयोग को सीमित करके अपने बच्चे के लिए एक अच्छे रोल मॉडल बनें। हालाँकि, यदि आपका पेशा उच्च मोबाइल उपयोग की माँग करता है, तो इसे अपने बच्चे को समझाएँ।

अपने बच्चे के साथ बंधन:

हालाँकि अधिकांश माता-पिता बहुत व्यस्त जीवन जीते हैं, लेकिन बच्चों के साथ संबंध बनाने के लिए समय निकालना महत्वपूर्ण है। बोर्ड गेम खेलना या अपने बच्चे को अपने साथ खाना पकाने या बागवानी जैसी गतिविधियों में शामिल करना उसे मूल्यवान और उपयोगी महसूस कराएगा। इस तरह वह अकेलेपन से बचने के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल बंद कर देगी। आप अपने बच्चे को साधारण विज्ञान प्रयोग, संगीत सुनना, पढ़ना, रचनात्मक लेखन, कला या पेंटिंग जैसे शौक पूरा करने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं।

शोधकर्ताओं का मानना है कि वयस्कों की तुलना में बच्चों के मोबाइल फोन के रेडिएशन से प्रभावित होने की संभावना अधिक होती है। चूंकि बच्चों का सिर छोटा और पतली खोपड़ी होती है, इसलिए इन उपकरणों से निकलने वाले विकिरण को मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करना आसान हो जाता है।

बीमारियों से रहना चाहते हैं सुरक्षित, स्वस्थ दिनचर्या के लिए इन बातों का रखें खास ख्याल, आयुर्वेद की सलाह

जीवनशैली और आहार में गड़बड़ी के कारण पिछले कुछ वर्षों में सेहत को लेकर चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं। कमजोर इम्युनिटी ने लोगों में कोरोना जैसे गंभीर संक्रमण का खतरा बढ़ा दिया है। कोरोना ही नहीं, पिछले कुछ वर्षों में कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामलों में भी तेजी से उछाल देखने को मिल रहा है। आश्चर्यजनक बात यह है कि करीब दो दशक पहले तक जिन बीमारियों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या माना जाता रहा था, उनसे अब बहुत ही कम उम्र के लोग भी शिकार देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जिस तरह से हमारी जीवनशैली में तेजी से बदलाव आया है, उसे इन बीमारियों के बढ़ने का प्रमुख कारण माना जा सकता है।

तमाम तरह की बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आयुर्वेद को वर्षों से सबसे प्रभावी और कारगर तरीका माना जाता रहा है। आयुर्वेद विशेषज्ञों की मानें तो आयुर्वेदिक सिद्धांतों के साथ जीवनशैली को ढालने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम किया जा सकता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार के साथ जीवनशैली को स्वस्थ बनाए रखना भी आवश्यक माना जाता है। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि किन बातों को ध्यान में रखकर तमाम तरह की बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है?

प्रकृति के साथ जुड़ें

आयुर्वेद विशेषज्ञ कपिल भास्कर बताते हैं, जैसे-जैसे हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, बीमारियों हमें घेरती जा रही हैं। पार्कों और बगीचों में घूमें। ताजी हवा और हरे भरे वातावरण का हमारे शरीर और दिमाग पर सकारात्मक असर होता है। प्रकृति के साथ जुड़े रहने से मानसिक स्वास्थ्य में लाभ होता है जिसका सीधा असर शरीर को स्वस्थ रखने पर देखा जा सकता है। रोज सुबह कम से कम आधे घंटे की वॉक सभी लोगों को जरूर करनी चाहिए।

योग और व्यायाम

शरीर और मन के संतुलन को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से योग और व्यायाम करना बहुत आवश्यक माना जाता है। श्वास व्यायाम या प्राणायाम आपके शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। रोजाना कम से कम आधे घंट तक तमाम तरह के योगासनों का अभ्यास करें। शरीर को सक्रिय रखने से कई तरह की बीमारियों का जोखिम स्वाभाविक रूप से कम हो जाता है। योग और व्यायाम मन के साथ शरीर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक माने जाते हैं।

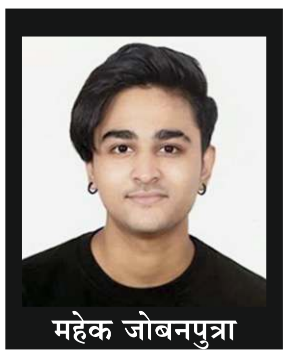

संतुलित आहार और निद्रा सुनिश्चित करें

शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आहार (आहार), निद्रा (नींद) और ब्रह्मचर्य (संवेदी संतुष्टि) में संतुलन बहुत महत्वपूर्ण है। सात्विक भोजन करना सबसे अच्छा माना जाता है। आहार और व्यायाम के साथ-साथ शरीर को पूरा आराम देना भी जरूरी है। इसके लिए रोजाना रात में कम से कम 6-8 घंटे की अच्छी नींद जरूर सुनिश्चित करें। आहार, व्यायाम और निद्रा का संतुलन आपको स्वस्थ रखने और दीर्घायु बनाने में मदद करता है।

Covid Test-RT-PCR जितना सटीक कोविड टेस्टिंग डिवाइस, सिर्फ चार मिनट में पता चल जाएगा कोरोना है या नहीं?

पिछले दो साल से अधिक समय से दुनियाभर में कोरोना संक्रमण जारी है। अध्ययनों से पता चलता है कि अगर समय से संक्रमण की जांच हो जाए तो रोग का इलाज और इसकी गंभीरता को कम किया जा सकता है। कोरोना संक्रमण की जांच के लिए दो टेस्ट- आरटीपीसीआर और कोविड एंटीजन टेस्ट को सबसे ज्यादा प्रयोग में लाया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसमें भी आरटी-पीसीआर टेस्ट का परिणाम सबसे सटीक होता है। कोरोना के अब तक सामने आए कई वैरिएंट्स का आसानी से पता लगाने में इस टेस्ट को सबसे कारगर माना जा रहा है। इस बीच हालिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वैज्ञानिकों ने कोरोना की जांच के लिए एक और प्रभावी टेस्ट किट विकसित कर लिया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी वैज्ञानिकों ने एक नया कोविड-19 परीक्षण उपकरण तैयार किया है, जो संक्रमण का पता लगाने में काफी कारगर बताया जा रहा है। वैज्ञानिकों का दावा है कि आरटी-पीसीआर परीक्षणों के समान इसके परिणाम भी काफी सटीक हैं। इतना ही नहीं महज चार मिनट के भीतर ही इससे पता चल जाएगा कि आपको कोरोना है या नहीं?

वैज्ञानिकों ने तैयार किया नया

कोविड टेस्टिंग डिवाइस

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, शंघाई स्थित फुडन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यह टेस्टिंग डिवाइस तैयार किया है। इसमें रोगियों के स्वैब का सैंपल लिया जाएगा। इसमें डीएनए से बने छोटे यांत्रिक घटकों का उपयोग किया गया है जिसके माध्यम से संक्रमण का पता लगाया जा सकता है। टेस्ट का परिणाम जानने के लिए इस टेस्टिंग डिवाइस को कंप्यूटर या स्मार्टफोन से जोड़ा जाता है। दावा किया जा रहा है कि यह आसानी से संक्रमण का पता लगाने में सहायक है।

जल्द मिल जाएगा टेस्ट का रिजल्ट

नेचर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि यह टेस्ट कई मामलों में काफी बेहतर माना जा सकता है। यह टेस्ट सार्स-सीओवी-2 न्यूक्लिक एसिड का पता लगाने, संचालन में आसान, उच्च संवेदनशीलता और बेहतर पोर्टेबिलिटी के साथ तेजी से संक्रमण का पता लगाने में मदद कर सकता है। कोरोना की जांच करना इस किट के माध्यम से काफी आसान हो सकता है। आरटी-पीसीआर परीक्षणों के विपरीत, इस नए उपकरण में प्रयोगशाला विश्लेषण की आवश्यकता भी नहीं होगी, जिससे कम समय में संक्रमण का पता लगा पाना आसान होगा।

अध्ययन में पाया गया असरदार

रिपोर्ट के मुताबिक इस टेस्ट की प्रभाविकता के बारे में जानने के लिए 33 लोगों को परीक्षण किया गया, जिनको आरटी-पीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया था। इन लोगों का सिर्फ चार मिनट में टेस्ट करके कोरोना की जांच की गई। इतना ही नहीं शोधकर्ताओं का कहना है कि इस टेस्ट से गलत रिपोर्ट आने की आशंका भी कम है। कोरोना की आसानी से जांच के लिए इस टेस्ट किट को काफी बेहतर माना जा सकता है।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

शोधकर्ताओं का कहना है कि आमतौर पर मौजूदा समय में कोरोना की जांच के लिए घंटों से लेकर एक दिन की आवश्यकता होती है, इस क्रम में इस टेस्टिंग किट के माध्यम से कम समय में ही रोग की जांच करना आसान होगा।

अध्ययन में दावा-पैरासिटामोल के अधिक सेवन से बढ़ जाता है हृदय रोग-स्ट्रोक का खतरा, जानिए किन्हें खतरा अधिक?

शरीर में हल्का दर्द या बुखार होने पर ज्यादातर लोग आमतौर पर ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवाओं को प्रयोग में लाते हैं। इन दवाओं से कुछ पल में राहत तो मिल जाती है,

पर क्या आपको अंदाजा है कि बिना डॉक्टर की सलाह के ली जाने वाली इन दवाओं का शरीर पर कितना गंभीर असर हो सकता है? भारत में सामान्य दर्द और फ्लू जैसे लक्षणों में पैरासिटामोल ले लेना काफी आम बात है, पर हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने इसके गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को सचेत किया है। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने चेताया है कि पैरासिटामोल का अधिक सेवन हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकता है।

जर्नल सर्कुलेशन अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि पैरासिटामोल का अधिक सेवन करने से हाइपरटेंशन की समस्या बढ़ जाती है, जोकि दीर्घकालिक तौर पर हृदय रोग का कारण बन सकती है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए हृदय रोगियों को पैरासिटामोल प्रिस्क्राइब करने से पहले डॉक्टरों को विशेष ध्यान रखना चाहिए।

शोधकर्ताओं ने बताया कि वैसे तो इसके सामान्य इस्तेमाल के दुष्प्रभाव नहीं हैं हालांकि इसका लगातार लंबे समय तक उपयोग करते रहना गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

कुछ ही दिनों में बढ़ा देता है ब्लड प्रेशर

पैरासिटामोल के इस्तेमाल के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों को जानने के लिए शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर वाले 110 रोगियों पर अध्ययन किया। इन रोगियों के दो अलग-अलग समूहों को दिन में चार बार एक ग्राम पैरासिटामोल या इसी मात्रा में प्लेसीबो दिया गया। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि चार दिन के भीतर ही पैरासिटामोल ले रहे समूह के लोगों का ब्लड प्रेशर, प्लेसीबो वाले लोगों की तुलना में काफी बढ़ गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि इस स्थिति में दिल का दौरा पड़ने या स्ट्रोक की आशंका 20 फीसदी तक बढ़ जाती है।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में चिकित्सीय और क्लिनिकल फार्माकोलॉजी के अध्यक्ष प्रोफेसर डेविड वेब कहते हैं, आईब्रुफेन जैसी दवाइयां, जिनको रक्तचाप बढ़ाने का कारक माना जाता रहा है, इसके इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने के दौरान माना जा रहा था कि पैरासिटामोल इसका सुरक्षित विकल्प हो सकता है। हालांकि जिस तरह के अध्ययन के परिणाम देखने को मिल रहे हैं इस आधार पर दिल का दौरा या स्ट्रोक के जोखिम वाले रोगियों में पैरासिटामोल के उपयोग को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। पैरासिटामोल प्रिस्क्राइब करते समय चिकित्सकों को इसके डोज को लेकर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों को इस सप्ताह कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। राज्यपक्ष की ओर से संकटपूर्ण परिस्थितियां निर्मित हो सकती है। यदि कहीं से पैसा उधार ले रखा है तो उसे समय सीमा में जमा करवा दें, वरना वाद-विवाद हो सकता है। परिवार में अचानक बड़ी धनराशि की आवश्यकता पड़ सकती है।

वृषभ : इस सप्ताह वृषभ राशि के जातकों की कुछ परेशानियां दूर होंगी। लंबे समय से तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना कर रहे थे तो उनमें अब कुछ कमी आएगी। आलस्य का त्याग करके काम में जुट जाना है। अवसरों और संबंधों का लाभ प्रत्येक कार्य में मिलेगा। बेरोजगारों को नौकरी मिलेगी। व्यापारियों के कार्य में थोड़ी तेजी आएगी।

मिथुन : सप्ताह में उत्साह और आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। परेशानियां काफी हद तक कम होंगी। रूके हुए काम एक बार फिर चल पड़ेंगे। आर्थिक मामलों में उन्नति होती दिखाई देगी। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्य गति पकड़ेंगे। नौकरीपेशा लोगों को थोड़ी भागदौड़ रहेगी। कार्य की अधिकता के कारण थकान महसूस होगी।

कर्क : इस सप्ताह आपको संबंधों और अवसरों का लाभ मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में परिवार के अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का मार्गदर्शन लेना जरूरी होगा। कार्यो को कल पर टालने की प्रवृत्ति छोड़ें वरना कई अच्छे अवसर हाथ से छूट जाएंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत रहेंगे। घर-परिवार के मांगलिक कार्यो में शामिल होने का अवसर आएगा।

सिंह : राजनीतिक, प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों को शानदार मौके मिलने वाले हैं। कार्य सरलता से पूरे होंगे। उच्चाधिकारियों से अच्छे संबंधों का लाभ उन्नति के रूप में मिलेगा। नए कार्य व्यवसाय प्रारंभ करने के अवसर आएंगे। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा।

कन्या : संकटपूर्ण परिस्थितियों से बाहर आने का समय आ गया है। आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर रहते हुए कार्य करेंगे तो सफलता निश्चित मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के अनेक अवसर आएंगे। नौकरी में उन्नति प्राप्त होगी। टूरिंग जॉब वालों को भागदौड़ अधिक रहेगी। कोई साथी ही आपका काम बिगाड़ने का प्रयास कर सकता है।

तुला : आपके लिए यह सप्ताह थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है। कार्य शिथिल होंगे और आर्थिक कमी महसूस हो सकती है। किसी कार्य में स्वजनों या मित्रों का सहयोग लेना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में बदलाव भी हो सकता है। व्यापारियों को कार्य में ठहराव रहेगा।

वृश्चिक : यह सप्ताह थोड़ा मानसिक उलझनों से भरा रहेगा। किसी मित्र या परिवार के किसी सदस्य के सहयोग से परेशानियों से राहत अनुभव करेंगे। किसी विशेष कार्य के पूरा नहीं हो पाने के कारण परेशान रहेंगे। आगे बढ़ने के अनेक अवसर आएंगे लेकिन उन्हें अपनाने से चूक जाएंगे। कार्य-व्यवसाय शिथिल रहेंगे।

धनु : यह सप्ताह सामान्य रहेगा। कुछ कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे तो कुछ में उलझनें बनी रहेंगी। अपनी बातों को मनवाने के लिए आपको कठिन प्रयास करने होंगे। संभव है किआपकी बातों से किसी को बुरा भी लग जाए। नौकरी में मेहनत अधिक करनी होगी। नए कार्य प्रारंभ करने का यह उचित समय नहीं है इसलिए जो चल रहा है उसे चलने दें।

मकर : संकटपूर्ण समय बीतने वाला है। कार्यो को गति मिलेगी इसलिए पूरे जी जान से जुट जाएं और कार्यो को गति देने का प्रयास करें। नए व्यवसाय स्थापित करने के लिए समय ठीक है। पुराने कार्यो को विस्तार देने का प्रयास करें। नौकरी में बदलाव करना चाहें तो समय उत्तम है। स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

कुंभ : किसी विशेष कार्य को पूरा करने के लिए निजी संबंधों का लाभ उठाना होगा। कोई खास काम पूरा हो जाएगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अपनी बात मनवाने के लिए किसी पर अनावश्यक दबाव न डालें। अपनी वाणी पर संयम रखें। परिवार में मांगलिक प्रसंग उत्पन्न होगा। समारोह, मेलजोल बढ़ेगा। इस सप्ताह कार्यो में गति आएगी।

मीन : समय अनुकूल है विशेषकर आर्थिक स्थितियों को उत्तम बनाने के लिए किए गए प्रयास सार्थक होंगे। अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास करें। नौकरी में आनंददायक स्थिति बनेगी। आपके कार्य को सराहा जाएगा। व्यापारियों को कार्यो में उन्नति के अवसर आएंगे। धन संबंधी मामलों में लाभदायक स्थितियां बनेंगी। भूमि, संपत्ति, वाहन में बढ़ोतरी होगी।

चुटकुले

सोनू: पापा, एक छोटा सा गेट-टुगेदर रखा है स्कूल में।
पापा: अच्छा, कौन-कौन आएगा?
सोनू: आप, मैं और प्रिंसिपल।

एक मुर्गा अपने मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था।
मालिक बहुत बीमार था। मालिक की बीवी उसके बगल में बैठी थी।
बीवी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है, मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं।
इतना सुनते ही मुर्गे के तोते उड़ गए।
मुर्गा बोला- बहन जी, एक बार DOLO 650 दे कर भी देख लो।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कांग्रेस पर तंज; कहा- कांग्रेस का चल रहा है राहुकाल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को राज्यसभा में केंद्रीय बजट पर हुई चर्चा पर जवाब दे रही थीं। इस दौरान कांग्रेस सांसद ने कहा कि ये अमृतकाल नहीं, राहुकाल है'। इसके जवाब में वित्तमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कि अमृतकाल हमारा है और आपका राहुकाल। पार्टी के वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़कर बाहर निकल रहे हैं, यही राहु काल है। कोई आश्चर्य नहीं कि कांग्रेस पार्टी जो राहुकाल का सामना कर रही है, उसे 44 सीटें मिल रही हैं और वह इससे बाहर नहीं निकल पा रही है।

आशीष मिश्रा को अभी रिहाई नहीं मिलेगी।

लखीमपुर हिंसा मामले में मुख्य अभियुक्त केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बेल दे दी है। हालांकि, मंत्री पुत्र के जेल से बाहर आने में अभी कुछ और वक्त लग सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने आशीष मिश्रा को आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307स, 326, 427, दफा 34 और 30 आर्म्स एक्ट में जमानत दी है। ऑर्डर कॉपी में कहीं भी आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 120बी (षडयंत्र) का जिक्र कहीं नहीं है।

टाटमिल चौराहे पर फिर बड़ा हादसा

कानपुर के टाटमिल चौराहे पर ई-बस ने कई वाहनों को रौंद दिया। इस हादसे में 6 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें 4 की हालत गंभीर बनी हुई है। चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मियों ने ई-बस के ड्राइवर को मौके पर ही पकड़ लिया। हादसे से गुस्साए लोगों ने बस पर पथराव भी किया। बता दें कि 31 जनवरी की रात को इसी चौराहे पर ई-बस ने 4 लोगों की जान ले ली थी।

कर्नाटक हिजाब विवाद पर कंगना रनोट और शबाना आजमी आमने-सामने

कर्नाटक हिजाब मामले पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस मुद्दे पर बॉलीवुड की दो दिग्गज अभिनेत्रियां आमने-सामने आ गई हैं। दरअसल, कंगना ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो अफगानिस्तान में बुर्का न पहन कर दिखाओ। कंगना की पोस्ट पर शबाना आजमी ने रिएक्ट किया, उन्होंने कहा भारत के धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है।

हरियाणा में जलाया गया पीएम मोदी का पुलता

हरियाणा के सिरसा में TMC कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और दिल्ली के मुख्यमंत्री का पुतला जलाया गया। ये दिल्ली में एक युवती से हुए गैंगरेप को लेकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। प्रदर्शन करने वाले लोगों का कहना है कि सरकार ने पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपए दिए है, लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिला।

हफ्ते के आखिरी दिन शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 824 तो निफ्टी 244 अंक लुढ़का

शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी दिन भी भारी गिरावट है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 824 पॉइंट्स गिर कर 58,101 पर पहुंच गया है। निफ्टी भी 244 अंक लुढ़क कर 17,361 पर पहुंच गया है। IT कंपनियों के स्टॉक ज्यादा टूटे हैं। अडाणी विल्मर का शेयर आज भी 5% ऊपर है। 3 दिनों में यह 75% बढ़कर 398 रुपए पर पहुंच गया है। इश्यू में इसका भाव 230 रुपए तय किया गया था। लिस्टिंग में इसने घाटा दिया था।

हत्या कर शव को बैग में लेकर घूमता रहा आरोपी।

झारखंड के जमशेदपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक आरोपी हत्या करने के बाद शव को बैग में लेकर शहर में घूमता रहा। आरोपी परिजनों को भी वीडियो कॉल कर लॉश दिखा रहा था, जिसके बाद परिजनों ने ही पुलिस को मामले की सूचना देकर उसे गिरफ्तार करवा दिया।

पटना में अतिक्रमण हटाने गए मजिस्ट्रेट को पीटा, निगम कर्मी भागे

पटना में श्री गुरु गोविंद सिंह अस्पताल की जमीन की चहारदीवारी के बाहर अतिक्रमण हटाने पहुंचे मजिस्ट्रेट को पुलिस की मौजूदगी में लोगों ने घसीटते हुए मारपीट की और गाली-गलौज कर खदेड़ दिया। भीड़ का आक्रोश देख निगमकर्मी वहां से जान बचाकर भाग निकले।

PM मोदी आज 'वन ओशन समिट' की उच्च स्तरीय बैठक को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वन ओशन समिट के उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करेंगे। इस समारोह में जर्मनी, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जापान, कनाडा सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल होंगे। समारोह दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। इस समिट में क्वाड के भी सदस्य शामिल होंगे। 2017 के नवंबर में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति को रोकने के लिए अमेरिका, आस्ट्रेलिया, भारत और जापान ने क्वाड की स्थापना के प्रस्ताव को आकार दिया था।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में 49 आरोपियों के लिए सजा का ऐलान

अहमदाबाद में 2008 में सिलसिलेवार तरीके से हुए बम धमाकों के मामले में 49 आरोपियों को दोषी ठहराए जाने के बाद शुक्रवार 11 फरवरी को स्पेशल कोर्ट में सजा का ऐलान किया जाएगा। कोर्ट की कार्यवाही सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी। इससे पहले अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में कोर्ट ने 28 लोगों को बरी कर दिया था और 49 आरोपियों को दोषी करार दिया गया है। इस मामले में फैसला 9 फरवरी को ही आना था, लेकिन बचाव पक्ष के वकील ने मामले में कुछ दस्तावेज देने के लिए समय मांगा था। जिसके बाद 9 फरवरी को सुनवाई स्थगित करनी पड़ी।

कच्छ के क्रीक में बीएसएफ ने अब तक छह पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा

अदमदाबाद, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने गुजरात में कच्छ के क्रीक इलाके से अब तक छह पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा है। बीएसएफ ने गुरुवार को इसी क्षेत्र से 11 फिशिंग बोट पकड़ी थी।बीएसएफ के गुजरात फ्रंटियर महा निरीक्षक मलिक खुद कच्छ दौरे पर हैं। बीएसएफ क्रोकोडाइल कमांडो के जरिए सरक्रीक इलाके में सर्च आपरेशन चला रहा है। वायु सेना के हेलीकाप्टर के जरिए कमांडो को क्रीक के दलदल के इलाकों में पहुंचाया गया। बीएसएफ को अब तक छह पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ने में कामयाबी हासिल हुई है। बीएसएफ को आशंका है कि 11 बोट लेकर आए अन्य मछुआरे इसी इलाके में कहीं छिपे हुए हैं।

पाकिस्तान की नौ नौकाएं हो चुकी हैं जब्त

बीएसएफ ने गुजरात के क्रीक इलाके में भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के निकट गुरुवार को मछली पकड़ने वाली नौ पाकिस्तानी नौकाओं को जब्त किया था। इसके बाद पाकिस्तानी मछुआरों की तलाश के लिए बीएसएफ ने सघन अभियान शुरू किया था। इसके तहत 'क्रीक क्रोकोडायल कमांडो' को वायुसेना के हेलीकाप्टर से कच्छ के क्रीक इलाके में उतारा गया था। ये कमांडो गश्ती के लिए बीएसएफ की विशेष यूनिट का हिस्सा हैं। उधर, आपरेशन मुस्तैद के तहत पाक मरीन एजेंसी बीते दो सप्ताह में गुजरात की 11 नौकाओं और 65 मछुआरों का अपहरण कर ले गई है। बीएसएफ गुजरात फ्रंटियर के महानिरीक्षक जीएस मलिक के अनुसार, गश्ती के दौरान जवानों को यूएवी कैमरे के जरिये संदिग्ध नौकाएं दिखीं। गश्ती दल ने पहुंचकर इन नौकाओं को कब्जे में ले लिया।11 नौकाएं और 65 मछुआरों का हो चुका है अपहरण

बीएसएफ ने आशंका जताई कि पाकिस्तानी मछुआरे बोट छोड़कर खुद कहीं छिप गए हैं। इससे पहले पाक मरीन एजेंसी दो सप्ताह में ओखा, पोरबंदर की 11 नौकाएं और करीब 65 मछुआरों का अपहरण कर कराची ले गई। पाक मरीन एजेंसी ने 28 जनवरी को दो नौकाओं और 13 मछुआरों का अपहरण किया। इसके बाद 31 जनवरी, पांच फरवरी तथा छह फरवरी को भी अंतरराष्ट्रीय जलसीमा से नौकाओं और मछुआरों का अपहरण किया। चीन ने पाकिस्तान को आधुनिक गश्ती नौकाएं उपलब्ध कराई हैं, जिसके बाद से लगातार गुजरात से लगती अंतरराष्ट्रीय जल सीमा से पाक एजेंसी भारतीय नौकाओं और मछुआरों का अपहरण कर रही है। इंडियन फिश फोरम के सचिव मनीष लोधारी का कहना है कि गुजरात सरकार पहली बार अपहृत मछुआरे के परिवार को मासिक नौ हजार रुपये की सहायता देती है। गुजरात के छह सौ से अधिक मछुआरे पाकिस्तानी जेलों में बंद हैं।

अंकलेश्वर जीआईडीसी स्थित श्री महाकाली फार्मा कंपनी में भीषण आग

अहमदाबाद, गुजरात के अंकलेश्वर जीआईडीसी स्थित श्री महाकाली फार्मा कंपनी में भीषण आग लग गई है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। इस मामले में अभी अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। समाचार एजेंसी एएनआइ पर आयी तस्वीरों को देख अंदाज लगाया जा सकता है कि आग काफी भयावह है। आसमान में काले धुएं का गुबार फैलता ही जा रहा है। गौरतलब है कि बीते दो माह पहले देश की डायमंड सिटी कहे जाने वाले सूरत के एक इलाके में भी भीषण आग लग गई थी। यह आग पांडेसरा जीआईडीसी की रानी सती रंगाई मिल में लगी थी। आग बुझाने के लिए वहां बड़ी संख्या में कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद थे। आग पर काबू पाने के लिए 15 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया था। अहमदाबाद के वटवा में एक प्लास्टिक फैक्टरी में भी बीते दिनों भीषण आग लग गई थी। आग इतनी भयावह थी कि उसे काबू करने के लिए 36 दमकल वाहन मौके पर भेजे गए थे। आग प्लांट पर लग बायलर में लगी थी।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कामयाबी-सूरत में हैदराबाद के व्यापारी से 2 करोड़ रुपए लूटने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार, 5 अभी तक फरार

हैदराबाद के व्यापारी को क्रिप्टोकरेंसी देने के बहाने सूरत बुलाकर 2 करोड़ की लूटपाट करने के मामले में क्राइम ब्रांच ने 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वराछा थाने में केस दर्ज होने के बाद मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई थी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों ने योजना बनाकर व्यापारी को सूरत बुलाने के बाद लूटपाट की थी। क्रिप्टो करेंसी में निवेश का झांसा देकर बुलाया गया था व्यापारी को।

अभी तक 5 आरोपी फरार

वराछा में सेंट्रल बाजार के श्री सिद्धि एंटरप्राइजेज आंगड़िया पेढ़ी में हैदराबाद का व्यापारी विनय जैन क्रिप्टोकरेंसी लेने आया था। दो करोड़ रुपए लेने के बाद भी आरोपी क्रिप्टोकरेंसी उसके अकाउंट में ट्रांसफर नहीं कर रहे थे। इसी बीच व्यापारी से झगड़ा करते हुए 2 करोड़ रुपए लूटकर फरार हो गए थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने बिहार के मधेपुरा जिले के मूल निवासी और दिल्ली के मयूर विहार में रहने वाले सुमन सिंह, आणंद जिले के मूल निवासी और वडोदरा के तंदेलजा में रहने वाले शाहरुख वोरा और बिहार के सीतामढ़ी के मूल निवासी और साउथ दिल्ली में रहने वाले पिंटू कुमार उर्फ पीके झा को गिरफ्तार किया है। अभी तक 5 आरोपी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 17 फरवरी तक रिमांड पर लिया है।

बदमाशों ने लूटपाट करने के लिए सेंट्रल बाजार में फर्जी आंगड़िया पेढ़ी भी खोल रखी थी।

15 दिनों से लूटपाट की योजना बना रहे थे

क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ललित वगड़िया ने बताया कि लुटेरे 15 दिनों से लूटपाट की योजना बना रहे थे। हैदराबाद के व्यापारी विनय जैन से उनके दोस्त लक्ष्मीनारायण ने एक होटल में पीके झा से मुलाकात करवाई थी। दोनों में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सौदा पक्का हुआ था। इसके बाद व्यापारी का सूरत बुलाया था। बदमाशों ने लूटपाट करने के लिए सेंट्रल बाजार में फर्जी आंगड़िया पेढ़ी भी खोल रखी थी।

लुटेरे एक-दूसरे को नाम से बुला रहे थे

आंगड़िया पेढ़ी में लूटपाट के दौरान लुटेरे एक-दूसरे का नाम लेकर बुला रहे थे। कह रहे थे- मधुकर, राजेश, राजू, इसका बैग छीन लो। हंगामा बढ़ता देख ड्राइवर नवीन के भाई आकाश को कार में लेकर वहां से चला गया। उस दौरान कार में चार करोड़ रुपए थे। बदमाश ये 4 करोड़ रुपए नहीं ले जा सके।

गुजरात के आठ शहरों में नाइट कर्फ्यू में ढील, जानें-नई गाइडलाइन

अहमदाबाद, गुजरात में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार घट रहे हैं। सरकार ने आठ महानगरों में रात्रि कर्फ्यू का समय 12:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक का कर दिया है। शुक्रवार से 18 फरवरी तक यह आदेश लागू रहेंगे।

गुजरात मैं अब तक कोरोना के टीके की 10 करोड़ से अधिक डोज दी जा चुकी है।मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में मास्क को भी एच्छिक बनाने का संकेत दिया। गुजरात सरकार की कोर कमेटी की बैठक मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

इसमें स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव पंकज कुमार, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजकुमार तथा अन्य कई विभागों के सचिव स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। गुजरात में कोरोना वायरस मामले अब लगातार घटते जा रहे हैं।

ये है नई गाइडलाइन

कर्फ्यू में ढील दिए जाने के बाद गुजरात में दुकानें, शापिंग माल, रेस्टोरेंट व होटल आदि रात को 11:00 बजे तक खुले रह सकेंगे होम डिलीवरी 24 घंटे चालू रखें गई है। राजकीय सामाजिक व धार्मिक समारोह में खुले में 150 लोगों के शामिल होने की छूट दी गई है, जबकि बंद हाल में 50 फीसद क्षमता के साथ कार्यक्रम किया जा सकेगा, लेकिन अधिकतम 150 लोग ही बुलाए जा सकते हैं। अंतिम संस्कार में 100 लोगों को जाने की छूट दी गई है। बाग-बगीचे रात को 10:00 बजे तक खुले रहेंगे। कोचिंग व ट्यूशन सेंटर पचास फीसद संस्था के साथ चलाए जा सकेंगे, जबकि सार्वजनिक व निजी बस सेवा 75 फीसद क्षमता के साथ 24 घंटे चलाई जा सकेगी। स्पोर्ट्स कांप्लेक्स क्लब दर्शकों के बिना चालू रख सकते हैं, लेकिन। जिम व सिनेमा 50 फीसद क्षमता के साथ चलाए जा सकेंगे।

गुजरात में कोरोना के 2275 नए मामले और 21 मौतें

गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, जामनगर, भावनगर, जूनागढ़ व गांधीनगर में रात्रिकालीन कर्फ्यू की अवधि घटाकर रात 12:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक किया गया। बीते 24 घंटे में गुजरात में कोरोना के 2275 नए मामले सामने आए, जबकि 21 और लोगों की कोरोना के कारण मौत हो गई। गुजरात में कोरोना के 21437 सक्रिय केस हैं, जबकि पिछले 24 घंटे में 8172 लोग स्वस्थ होकर घर पहुंचे हैं।

अहमदाबाद ब्लास्ट केस में साबरमती जेल में बंद 53 आरोपियों में 21 निर्दोष पर पांच ही हो पाएंगे रिहा

अहमदाबाद, सिलसिलेवार बम धमाका मामलों में अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद 53 आरोपियों में से 21 को विशेष अदालत ने भले निर्दोष छोड़ दिया लेकिन इनमें से जेल से बाहर 5 ही आ सकेंगे, अन्यों पर साबरमती जेल में सुरंग खोदने का मामला चल रहा है। सुरंग मामले में तत्कालीन जेल अधीक्षक, 3 जेलर व अन्य 5 पुलिसकर्मियों पर भी केस दर्ज किया गया था। 213 फीट लंबी सुरंग खोद भागने का प्रयास अहमदाबाद के बम धमाका मामलों में गिरफ्तार किये गये 53 आरोपियों को साबरमती जेल में रखा गया था। फरवरी 2013 में इन आरोपियों में से दो दर्जन ने अन्य कई कैदियों के साथ मिलकर जेल के बैरक नंबर 14 से 213 फीट लंबी सुरंग खोदकर जेल से भागने का प्रयास किया लेकिन साजिश समय से पहले उजागर हो गई। बम धमाको में विशेष अदालत ने 21 को बरी कर दिया लेकिन इनमें से 5 ही जेल से बाहर आ सकेंगे। अन्यों के खिलाफ जेल में सुरंग खोदने व साजिश में शामिल होने का मामला चल रहा है।

बिना इंजन कवर के मुंबई से एलायंस एयर का विमान पहुंचा भुज, 70 यात्री थे प्लेन में सवार

अहमदाबाद, भारतीय विमानन क्षेत्र में बुधवार को मुंबई से बुधवार सुबह 70 यात्रियों को लेकर एलायंस एयर का एक विमान बिना इंजन कवर के भुज पहुंच गया और बाद में यहां हवाई अड्डे पर उसका इंजन कवर मिला। इस घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने बताया कि एलायंस एयर का विमान गुजरात के भुज में सुरक्षित उतरा। मुंबई के विमान यातायात नियंत्रक (एटीसी) ने हवाई अड्डे के अधिकारियों के संज्ञान में यह बात लाई। बाद में डीजीसीए ने इस घटना की जांच शुरू की। अधिकारी ने कहा कि मुंबई एटीसी ने हवाई अड्डा प्रशासन को सूचित किया कि उड़ान 91-625 (मुंबई-भुज) संचालित करने वाले एलायंस एयर एटीआर विमान ने बाएं इंजन पर बिना किसी कवर के उड़ान भरी। बाद में इंजीनियरिंग टीम मौके पर पहुंची

और उसे रनवे पर इंजन का कवर मिला। अधिकारी ने कहा कि बिना इंजन कवर के विमान के उड़ने से परेशानी हो सकती थी। अभी तक किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन डीजीसीए की रिपोर्ट आने के बाद समुचित कार्रवाई की जाएगी। मुंबई से गुजरात के कच्छ भुज आने वाले यात्री विमान के इंजन का कवर उड़ जाने के बावजूद विमान को भुज में सुरक्षित लैंड किया गया। सभी 61 यात्री पूरी तरह सुरक्षित पहुंच गए। नागरिक उड्डयन विभाग ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मुंबई से गुजरात के कच्छ भुज आने वाला एकमात्र विमान के सुबह करीब 6:30 बजे मुंबई से टेक को करने के दौरान उसके एक इंजन का कवर उड़ गया। पायलट ने पूरी सावधानी दिखाते हुए विमान को सुरक्षित कच्छ भुज एयरपोर्ट पर लैंड कराया। विमान व सभी यात्री सुरक्षित भुज पहुंच गए।

क्या आखिरी बार हो रहा है IPL में मेगा ऑक्शन-फ्रेंचाइजियों की मांग अब खिलाड़ियों की नीलामी बंद हो, ड्राफ्ट से तय किए जाएं प्लेयर्स

IPL 2022 में खिलाड़ियों का मेगा ऑक्शन 12 और 13 फरवरी को होने वाला है। इस बार नीलामी में 10 टीमें भाग लेंगी। ऑक्शन से पहले जब टीमों ने BCCI को रीटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपी तो एक बड़ा बवाल सामने आया। कई फ्रेंचाइजी की तरफ से IPL की मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ बगावत के सुर सुनाई देने लगे थे। टीमों ने रीटेन खिलाड़ियों की लिस्ट तो सौंप दी, पर उनका मानना था कि अब खिलाड़ियों का मेगा ऑक्शन नहीं होना चाहिए। अब इसे खत्म करने पर विचार करने का समय आ गया है। आइए जानने की कोशिश करते हैं कि ये पूरा मामला क्या है और कौन-कौन सी फ्रेंचाइजी ऑक्शन को खत्म करने की मांग कर रही हैं और क्यों?

कोलकाता और दिल्ली ने ऑक्शन खत्म करने की वकालत की है

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मुख्य अधिकारी वेंकी मैसूर और दिल्ली कैपिटल्स के पार्थ जिंदल का मानना है कि IPL का मेगा ऑक्शन अब उतनी उपयोगी नहीं रहा। दोनों अधिकारियों की मानें तो अब मेगा ऑक्शन की जरूरत नहीं है। मेगा ऑक्शन सभी के लिए एक समान नहीं रहा। लीग के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ आ रहा है, जहां आपको यह सवाल करना होगा कि क्या एक मेगा ऑक्शन की जरूरत है?

नए नियम के साथ खिलाड़ी जुड़े

दोनों अधिकारियों का कहना था कि ऐसा कोई नियम आए जिससे आने वाले नए खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्ट तय किए जा सके या फिर आपसी सहमति से उन्हें टीम में लिया जा सके। साथ ही अगर खिलाड़ी चाहता है तो उसे लोन पर लिया जा सकता है। साथ ही हमे लंबे समय के लिए टीम बनाने की अनुमति भी मिले।

क्या होता है ड्राफ्ट सिस्टम

इंग्लैंड के 'द हंड्रेड' और पाकिस्तान में होने वाले टी-20 लीग (PSL) में ड्राफ्ट सिस्टम से खिलाड़ियों का चयन किया जाता है। वहां खिलाड़ियों की नीलामी नहीं होती है। ड्राफ्ट को कैटेगरी में बांटा जाता है। जैसे- प्लेटिनम, डायमंड, गोल्ड, सिल्वर। इसके बाद टीम ड्रॉ में हिस्सा लेती है। ड्रॉ के आधार पर टीमों के खिलाड़ी चुनने का क्रम होता है। IPL में भी इसी सिस्टम को लाने की वकालत हो रही है। वहीं, कई फ्रेंचाइजी का मानना है कि फुटबॉल लीग में जिस तरह से खिलाड़ियों को साइन किया जाता है। वैसे ही हमें भी खिलाड़ियों को साइन करने की इजाजत हो। जब खिलाड़ी फुटबॉल लीग में साइन किए जाते हैं तो वे ज्यादा पैसे में लंबे समय तक टीम के साथ जुड़े रहते हैं।

फ्रेंचाइजी का मानना जल्दी खिलाड़ियों को खो देते हैं

दिल्ली की टीम 2022 के सीजन के लिए श्रेयस अय्यर, शिखर धवन, कगिसो रबाडा और रविचंद्रन अश्विन को खोना नहीं चाहती थी। इसको लेकर टीम के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने यहां तक कह दिया था कि ये दिल तोड़ने वाला है। पार्थ के अनुसार IPL की रीटेन पॉलिसी के कारण इन खिलाड़ियों को वो अपनी टीम में नहीं रख पाए थे।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने की रोहित की तारीफ-सलमान बट्ट बोले- एक कप्तान के रुप में हिटमैन का प्रदर्शन टॉप क्लास

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2022 में पहली सीरीज अपने नाम की है। दोनों मुकाबलो में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी कमाल की रही। इसको लेकर उनकी जमकर तारीफ भी हो रही है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज सलमान बट्ट ने भी रोहित शर्मा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपने यू-ट्यूब चैनल पर पर कहा कि वो टॉप क्लास के कप्तान हैं।

रोहित की फील्ड प्लेसिंग जबरदस्त है। उनके अटैकिंग एप्रोच को देखकर काफी अच्छा लगता है।
सलमान बट्ट

हिटमैन का अटैकिंग एप्रोच कमाल का

सलमान बट्ट ने कहा, 'रोहित शर्मा की फील्ड प्लेसिंग एकदम जबरदस्त थी। उनका अटैकिंग एप्रोच और गेंदबाजी में बदलाव को देखकर काफी अच्छा लगा। एक कप्तान के तौर पर उन्होंने टॉप क्लास प्रदर्शन किया। जब आप लो-स्कोरिंग गेम में खेलते हैं तभी आपकी कप्तानी का असली इम्तिहान होता है।'

237 रन ही बना पाई थी टीम इंडिया

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अहमदाबाद में खेले गए दूसरे वनडे में टीम इंडिया 237 रन ही बना पाई थी। सूर्य कुमार यादव के अर्धशतक आलावा कोई भी बल्लेलबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया था। ऐसा लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम ये मैच आराम से जीत जाएगी, लेकिन रोहित ने शानदार कप्तानी करते हुए अपने गेंदबाजों का सही समय पर प्रयोग किया और गेंदबाजों ने भी कमाल की गेंदबाजी की और टीम को जीत मिली। प्रसिद्ध कृष्णा ने मैच में 4 विकेट झटके थे।

विराट ICC ट्रॉफी नहीं जीत पाए

सलमान बट्ट ने आगे कहा कि अगर हम विराट कोहली की काफी ज्यादा आलोचना करें तो यही कह सकते हैं कि भारत ने उनकी कप्तानी में कभी भी ICC की कोई ट्रॉफी नहीं जीती। हालांकि, उनकी जीत का प्रतिशत अभी भी काफी अच्छा है।

एक कप्तान के तौर पर रोहित रणनीति बनाने में माहिर हैं और IPL में रोहित ने अपने आपको साबित किया है। वो कप्तानी के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं लेकिन मैं ये नहीं कहूंगा कि विराट कोहली खराब कप्तान थे।

बता दें कि कोहली ने टी-20 वर्ल्ड कप से पहले क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में कप्तानी छोड़ दी थी। वहीं, वनडे में उनको कप्तान पद से हटा दिया गया था।

टेस्ट की बात करें तो उन्होंने खुद अपनी कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 का कप्तान बनाया गया। ऐसी खबरें आ रही हैं कि रोहित टेस्ट के कप्तान भी बनाए जा सकते हैं।

पंजाब किंग्स को झटका-IPLऑक्शन से पहले बैटिंग कोच वसीम जाफर का इस्तीफा; सोशल मीडिया पर दी जानकारी

इंडियन प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन से पहले पंजाब किंग्स के बैटिंग कोच वसीम जाफर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। IPLका मेगा ऑक्शन 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होना है। ऐसे में जाफर के इस्तीफे देने से हड़कंप मच गया है। जाफर ने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में लिखा- IPL टीम पंजाब किंग्स को धन्यवाद। सफर शानदार रहा। IPL 2022 सीजन के लिए अनिल कुंबले और टीम को शुभकामनाएं। इसके साथ ही जाफर ने एक रणबीर कपूर का फिल्मी फोटो भी शेयर किया। जिसमें लिखा- अच्छा चलता हूं... दुआओं में याद रखना। राजस्थान रॉयल्स की ओर से जाफर के पोस्ट पर जवाब वसीम जाफर के सोशल मीडिया पर पंजाब किंग्स को छोड़े जाने के पोस्ट के बाद राजस्थान रॉयल्स ने पोस्ट किया कि कहीं वो उनका जॉब ऑफर तो नहीं स्वीकार रहे।

पंजाब किंग्स के पर्स में सबसे ज्यादा रुपये पंजाब किंग्स ने केवल मयंक अग्रवाल को 12 करोड़ और अनकैप्ड गेंदबाज अर्शदीप सिंह को चार करोड़ रुपये में रीटेन किया। फ्रेंचाइजी 72 करोड़ रुपये के सबसे अधिक पर्स के साथ IPL 2022 नीलामी में उतरेगी। कहा जा रहा है

कि पंजाब किंग्स IPL 2022के लिए केएल राहुल को कप्तान के रूप में बनाए रखना चाहती थी, लेकिन दाएं हाथ के बल्लेबाज ने टीम से अलग होने का फैसला किया।

जैसे इमरान-वैसे सांसद:खान की पार्टी के 49 साल के सांसद 18 साल की स्कूल गर्ल से तीसरी शादी करेंगे; PM ने दी मुबारकबाद

पाकिस्तान की मशहूर हस्तियों में शुमार टीवी होस्ट और इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के सांसद आमिर लियाकत तीसरी शादी करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान भी अब तक तीन शादियां कर चुके हैं। इमरान ने अपने सांसद को इस शादी पर फोन के जरिए मुबारकबाद दी है। खास बात यह है कि आमिर की दूसरी पत्नी से उनका तलाक बुधवार को हुआ और 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि लियाकत साहब ने सोशल मीडिया पर बड़े फख्र से अपनी अगली शरीक-ए-हयात यानी पत्नी का परिचय दुनिया को दे दिया। वैसे PTI के चेयरमैन और प्रधानमंत्री इमरान खान का आमिर

लियाकत को बधाई देना चौंकाने वाली बात नहीं मानी जानी चाहिए। करीब 70 साल के इमरान खुद भी तीन शादियां कर चुके हैं। पहली पत्नी का नाम जेमिमा गोल्डस्मिथ, दूसरी पत्नी का नाम रेहम खान है। तीसरी पत्नी बुशरा बीबी मेनका हैं। उनकी पहली शादी से पांच बच्चे हैं। दुनिया जले तो जले 'जियो न्यूज' के मुताबिक, आमिर लियाकत अक्सर अपने बेहूदा बयानों के चलते चर्चा में रहते हैं, लेकिन उनके चाहने वालों की भी कमी नहीं है। यही वजह है कि 2018 के चुनाव में इमरान ने उन्हें पार्टी टिकट दिया और वो जीतकर सांसद बन गए। बहरहाल, आमिर ने सोशल मीडिया पर कहा- वजीर-ए-आजम जनाब इमरान खान साहब ने मुझे फोन किया और निकाह पर बधाई दी। मैं उनका तहेदिल से शुक्रगुजार हूं। जहां तक मेरी शादी से जलने वालों की बात तो मैं उनसे बस इतना ही कह सकता हूं- दुनिया जले तो जले। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ यूजर लियाकत पर तंज कस रहे हैं। एक यूजर ने आमिर के पुराने फोटो के साथ एक नवजात बच्ची का फोटो लगाते हुए कहा- 18 साल पहले लियाकत और उनकी होने वाली पत्नी। एक और यूजर ने कहा- आमिर के पास बस एक ही काम है। निकाह-तलाक, निकाह-तलाक और निकाह-तलाक। पहली और दूसरी पत्नी बुधवार को उनकी दूसरी पत्नी सैयदा तुबा अनवर ने तलाक का ऐलान किया। इसके पहले वो बुशरा आमिर से भी तलाक ले चुके हैं। गुरुवार को लियाकत ने सोशल मीडिया पर बताया कि वो सैयदा दानिया शाह से निकाह करने जा रहे हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने 13 पोस्ट करके इस शादी के बारे में जानकारी दी। दानिया के बारे में 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने लिखा- वो गुरुवार को ही 18 साल की हुई हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दानिया अभी स्कूल में ही पढ़ रही हैं और लियाकत 49 साल के हैं।

सौर मंडल में आया सबसे बड़ा धूमकेतु-137 किलोमीटर लंबाई, नीले रंग के एक बिंदु की तरह दिखाई देता है, स्टडी में लगे 20 साल

वैज्ञानिकों ने अब तक के सबसे बड़े धूमकेतु का पता लगाया है। इसे Comet C/2014 UN271 नाम दिया गया है। इस 137 किलोमीटर लंबे धूमकेतु की खोज पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के ग्रैजुएट स्टूडेंट पेड्रो बर्नेडिनेली और एस्ट्रोनॉमर गैरी बन्स्टीन ने की है। इन्हीं के नाम पर इसे बर्नेडिनेली-बन्स्टीन कॉमेट कहा जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह हमारे सौर मंडल में काफी तेज गति से यात्रा रहा है। द सन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वैज्ञानिकों ने इस कॉमेट के आकार की गणना के लिए चिली स्थित सेरो-टोलोलो इंटर-अमेरिकन के एक डार्क एनर्जी कैमरे का इस्तेमाल किया था। पेरिस ऑब्जरवेटरी के एक वैज्ञानिक डॉ. इमैनुएल लेलॉउच ने बताया कि पहले ये माना जा रहा था कि इसकी लंबाई 100 किलोमीटर होगी, लेकिन बाद में यह 137 किलोमीटर आंकी गई।

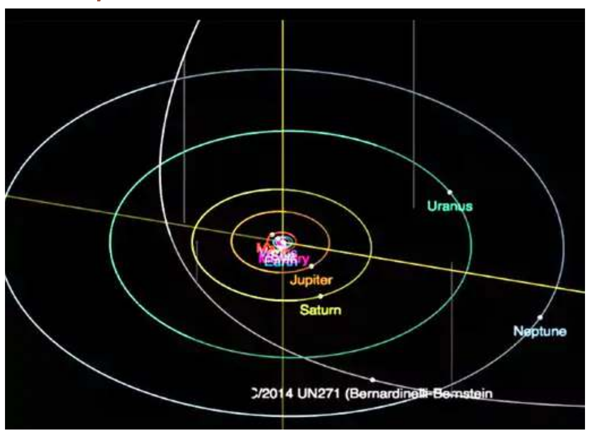

धरती और सूरज के बीच जितनी दूरी है यह कॉमेट उससे भी 20 गुना ज्यादा दूरी से गुजरेगा।

ऊर्ट क्लाउड से निकला है कॉमेट

हार्वर्ड एंड स्मिथसोनियन के सेंटर ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स के एस्ट्रोनॉमर पीटर वर्स ने बताया कि पिछले साल जून 2021 में इसे सौर मंडल के सबसे करीब देखा गया था। इस कॉमेट की स्टडी करने में करीब 20 साल लगे। यह हमारे लिए बेहद ही खास है, क्योंकि यह कॉमेट ऊर्ट क्लाउड (धूमकेतु और धूल का विशाल बादल) से निकला है, जहां बर्फ का मैदान है। पीटर के मुताबिक, इस कॉमेट के पीछे एक धुंधली पूंछ बनी हुई है, जो या तो धूल है या किसी तरह की भाप या गैस, लेकिन स्टडी में इसे रासायनिक तौर पर पूरी तरह निष्क्रिय बताया गया है। जिसके बाद इनमें पूंछ बनना नामुमकिन है।

रूस-यूक्रेन तनाव गंभीर हालात में पहुंचा-जो बाइडेन की चेतावनी- अमेरिकी नागरिक तुरंत यूक्रेन छोड़ दें, रूस से कभी भी सीधी लड़ाई शुरू हो सकती है

रूस और नाटो फोर्सेस के बीच तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी नागरिकों को तुरंत यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है। NBC न्यूज से बात करते हुए बाइडेन ने कहा कि यूक्रेन और रूस की सेना के बीच कभी भी सीधी लड़ाई शुरू हो सकती है। बाइडेन ने कहा- हम दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक के साथ तकरार की स्थिति में हैं। यह बहुत ही अलग स्थिति है, जल्द ही चीजें और बिगड़ सकती हैं। अमेरिकी नागरिकों को जल्द यूक्रेन से बाहर निकल जाना चाहिए। यूक्रेन में सेना भेजने के सवाल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, वहां पर सेना भेजने का मतलब है विश्व युद्ध की शुरुआत। गुरुवार को ही U S विदेश विभाग के एक सलाहकार ने चेतावनी जारी की है, 'अगर रूस यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है तब अमेरिका अपने नागरिकों को निकालने की स्थिति में नहीं होगा। वहीं, अमेरिकी थिंक टैंक यह चेतावनी भी जारी कर चुका है कि रूसी सेना फुल स्केल युद्ध शुरू करती है तो उसके टैंक सिर्फ 48 घंटे में यूक्रेन की राजधानी कीव में दाखिल हो जाएंगे। युद्ध के संभावित खतरे के बीच रूस ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। रूस ने गुरुवार को बेलारूस की सेना के साथ युद्धाभ्यास शुरू किया। हाल के सालों में ये सबसे बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास है। इसमें टैंक, लड़ाकू विमान और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम के साथ हजारों सैनिक भाग ले रहे हैं। बेलारूस में यह अभ्यास 20 फरवरी तक चलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें 30 हजार से अधिक रूसी सैनिक भाग लेंगे।

अमेरिका ने यूक्रेन भेजी हथियारों की दूसरी खेप

युद्ध के बढ़ते खतरे के बीच अमेरिका ने बीती रात यूक्रेन को हथियारों की दूसरी खेप भेज दी है। इससे पहले भी अमेरिका की तरफ से 200 मिलियन डॉलर की सुरक्षा सहायता यूक्रेन भेजी गई थी। पूर्वी यूरोप में तनाव के मद्देनजर अमेरिका के 8500 सैनिक हाई अलर्ट पर भी हैं।

ब्रिटेन भी सौंप चुका है अत्याधुनिक मिसाइलें

रूस के संभावित हमले से मुकाबले के लिए ब्रिटेन ने यूक्रेन को बड़ी संख्या में अत्याधुनिक एंटी टैंक मिसाइलें और एंग्लो-स्वीडिश एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलें सौंपी हैं। माना जा रहा है कि रूस की ओर से यूक्रेन की सीमा पर सबसे पहले टैंकों से हमले की आशंका है।

गेम ने बचाई महिला की जान-US में बुजुर्ग महिला को बंधक बनाया गया, बेटी से वर्डले गेम का स्कोर शेयर नहीं किया तो खुल गया राज

अमेरिका के शिकागो में वर्डले गेम ने बुजुर्ग महिला की जान बचा ली। महिला को व्यक्ति ने उसके ही घर में बंधक बना लिया था।

उसने रोज की तरह एक गेम का रिजल्ट शेयर नहीं किया, तो उसकी फैमिली को शक हुआ। इसके बाद पुलिस महिला के घर पहुंची और उसे बचा लिया गया। 80 साल की डेनिस होल्ट ने पुलिस को बताया कि 5 फरवरी की रात एक आदमी खिड़की तोड़कर घर में घुस गया और उन्हें बंधक बना लिया। उसने कपड़े नहीं पहने थे और शरीर पर जगह-जगह कट लगे हुए थे, जिनसे खून बह रहा था।

युवक की पहचान 32 वर्षीय जेम्स एच डेविस के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक डेविस की मानसिक हालात ठीक नहीं है।

महिला बोली- मुझे लगा मैं नहीं बचूंगी

होल्ट ने बताया कि डेविस ने पहले तो उसे आश्वासन दिया कि वह उसे नुकसान नहीं पहुंचाएगा। फिर घसीटते हुए ले गया और तहखाने में बंद कर दिया।

उन्हें लग रहा था कि वह नहीं बचेंगी।उधर, होल्ट की बेटी मेरेडिथ होल्ट कैल्डवेल ने बताया कि वह सिएटल में रहती है और रोज उनकी मां उन्हें वर्डले का स्कोर भेजती हैं।

वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक दिलशाद एस. खान बेस्ट एडिटर अवार्ड से सम्मानित

भीलवाड़ा (राजस्थान) वरिष्ठ पत्रकार एवं मुंबई हलचल के प्रधान संपादक दिलशाद एस. खान को फैशन शो में दि कलेण्डर जर्नी एवं बेस्ट एडिटर व मीडिया पार्टनरअवार्ड के राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है! बीना मालजी अभिनेत्री और मौदेल् ने ऑर्गनाइज किया हिंदुस्तान का सबसे पहला फैशन शो जिसमें LGBTQ प्लस साइज, बडी उम्र की औरतों & बच्चों ने वॉल्क किया। "द कलेन्दर् जर्नी " प्रेजेंट्स, "द रैंप कवीन 2022", वॉल्क फॉर इन्क्लूसिविटी सीजन 2 नामक यह शो 26 जनवरी 2022 को मुंबई में सम्पन्न हुआ। इस अनोखे फैशन में, सर्व साधारण लोगों ने रैंप वॉल्क किया। 4 साल की बच्ची से लेके, 71 साल की महिला ने भी वॉल्क किया। बीना मालजी चाहती हैं कि इस शो के ज़रिये, उन लोगों का सपना पूरा हो, जिन्हें फैशन इंडस्ट्री में जगह नहीं मिलती। इस शो के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक श्री दिलशाद एह. खान थे।(Editor - Mumbai Halchal, National President patrakar sangh) बिना मालजी ओर्गनिसेर्, तान्या मालजी - शो डायरेक्टर, डॉ प्राचि वि रैज़ादा - ब्रांड अम्बस्दर्, दिव्या दत्त और एरम् फरिदि इस शो के जुरी थे। जीतने वालों को ताज और अवार्ड से नवाजा गया। LGBTQ कवीन - एलीज़ा बेनज़िर् प्लस साइज कवीन - निधि गाड़ा एजलेस कवीन- प्रोफ् रेनुका बानगर्द् किड कवीन - जान्हवी जाधव & फिट कवीन - अभिलाशा त्रिपाठी रहे। द रैंप कवीन २०२२ का खीताब् जीता असाम् से आयी, डॉ श्रीपर्ना बरुआ ने। शो स्टोपर् - तान्या मालजी शो ओपेनेर्स् रीमा बह्ल, रीता सोअन्स् और नीरू छोप्रा का भी बड़ा योगदान रहा। गणेश श्रीनिवासन और किशोर मालजी का भी खूब योगदान रहा। बिना मालजी इस मुहिम को सारे देश में फेलाना चाहती हैं।

वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक दिलशाद एस. खान को दादा साहब फाल्के फैशन अवार्ड मिला

भीलवाड़ा (राजस्थान) वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक दिलशाद एस. खान को स्नेहा, फैशन और फ्यूजन द्वारा दादा साहेब फाल्के फैशन आइकान लाइफस्टाइल अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया है! मुंबई के पांच सितारा होटल सहारा स्टार में हुए ग्रेंड अवार्ड शो दादा साहेब फाल्के फैशन आइका ॅन लाइफस्टाइल अवार्ड 2021 से दैनिक मुंबई हलचल के प्रधान संपादक दिलशाद एस, खान को सम्मानित किया गया है! वो अपने हाथ में दादा साहेब फाल्के के नाम की ट्रोफी बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे थे! गौरतलब है कि मिस स्नेहा और दिपक चतुर्वेदी द्वारा इस समारोह का शानदार आयोजन किया गया है! जहाँ फिल्मी सितारों का मेला लगा हुआ था! इस अवसर पर टीवी और बा ॅलिवुड के बेहतरीन एक्टर जुबेर के. खान एक्ट्रेस पायल घोष, शम्स राठौड़, मुस्कान शर्मा, डॉ. पारिन सोमानी, शमिम खान, इंद्राणी तालुकदार, छोटु दादा (मालेगांव), अकरम खान (एक्टर डायरेक्टर), दिपक चतुर्वेदी, निकिता रावल, निलम मोटवानी, अनल कपुर, मालवी मलहोत्रा, वरोनिका वनजी, जनमोनी गोगोई, पायल गोगोई, देबोजी भट्टाचार्य, प्रतिक सलुजा, अजित पंडित, डॉली सोही, ताहिर कमाल को भी इस अवार्ड से सम्मानित किया गया है!शम्स राठौड़ ने यह अवार्ड हासिल करते हुए कहा कि उनके लिए यह बहुत गौरव की बात है! मुझे ये ट्रोफी लेकर बेहद खुशी हो रही है! गौरतलब है कि शम्स राठौड़ मुंबई में अनोखे रियलिटी शो गली गाइस का भव्य आयोजन करवा चुके हैं! जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में बा ॅलीवुड के महान संगीतकार दिलीप सेन मौजूद थे! इस रियलिटी शो के ज्यूरी मेंबर्स में अभिनेता सलमान शेख, स्नेहा गोगोई, कल्पेश मेहता, निशा देसाई आदि शामिल थे! दादा साहेब फाल्के फैशन आइका ॅन लाइफस्टाइल अवार्ड 2021 के मैनेजमेंट और पीआर की जिम्मेदारी फेम मीडिया (वसीम सिद्दीकीसिद्दीकी और नजमा शेख) द्वारा बखूबी निभाई गई है! वरिष्ठ पत्रकार एवं मुंबई हलचल के प्रधान संपादक दिलशाद एस. खान को यह अवार्ड मिलने पर कई इष्ट मित्रों और शुभचिन्तको ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दी है जिनमें मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़, दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह तोमर (नई दिल्ली), पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी महिला मोर्चा की राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती के. बी. सुखवाल (उदयपुर), वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी (श्रीगंगानगर), वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव श्री गणेश नारायण शर्मा (जयपुर), भोपाल मेट्रो न्यूज़ समाचार पत्र के प्रधान संपादक मोहम्मद जावेद खान, जनाधिकार न्यूज़ चैनल के संपादक मोहम्मद अजहरुद्दीन (जयपुर), पत्रकार सतीश सारस्वत (भरतपुर), वरिष्ठ समाजसेविका डा ॅ. सुनीता खोखर (भीलवाड़ा) आदि ने दिलशाद एस. खान को बधाई और शुभकामनाएँ दी है!

हाजी अली व माहिम दरगाह मुम्बई के ट्रस्टी डॉ सोहैल खंडवानी जी ने अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति को दिया समर्थन

महाराष्ट्र में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति का विस्तार सकारात्मक विचार के साथ करेंगे-डा. सोहैल खंडवानी जी

मुम्बई/ 1 फरवरी को माहिम दरगाह के कार्यालय में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की राष्ट्रीय पदाधिकारी व प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आहूत हुई राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जिग्नेश भाई कालावडिया जी की अनुशंसा पर हाजी अली व माहिम दरगाह मुम्बई के ट्रस्टी डा ॅ सोहैल खंडवानी जी को बतौर संरक्षक संगठन में शामिल किया गया।चर्चा के दौरान अब्दुल महफूज़ खान राष्ट्रीय महासचिव ने कहा सम्पूर्ण भारतवर्ष में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने का संकल्प संगठन द्वारा लिया गया है उसके लिए संवैधानिक तरीके से लड़ाई जारी है और बताया कि देश में पत्रकारों के ऊपर IPC की धाराओं का पत्रकारों के ऊपर गलत उपयोग किया जा रहा है जिसकी कठोर निंदा किया है।इसी कड़ी में श्री खंडवानी जी ने कहा सकारात्मक विचारों के साथ संगठन का विस्तार किया जाएगा वहीं महाराष्ट्र सरकार से कानून लागू करने के लिए चर्चा किया जाएगा तथा संगठन के लिए तत्पर हाजिर रहने की बात कही तथा श्री खंडवानी जी ने बैठक में उपस्थित संगठन के पदाधिकारी व सदस्यों का अपने हाथों से शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।संगठन की बैठक में शिवसेना नेता कल्पेश मेहता ने श्री खंडवानी जी को शिवसेना का प्रतीक रंग भगवा शाल ओढ़ाकर सम्मान किया और संगठन के लिए कहा महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री उद्धव साहेब ठाकरे जी से मिलकर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने के लिए पत्र दिया जाएगा साथ ही कहा कि लोकतंत्र को बचाये रखने के लिए पत्रकारिता को बचाये रखना अतिआवश्यक है। इसी के साथ दिलशाद खान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने अपनी बात रखते हुए कहा महाराष्ट्र सरकार अपनी जनता की समस्या को सुनने वाली सरकार है और हमें विश्वास है कि वर्षों से लंबित पत्रकार सुरक्षा कानून की माँग सरकार पूरी करेगी।वहीं महेश रेड्डी समिति के सलाहकार ने मिडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताया और इसे सुरक्षा देना बहुत जरूरी है।बैठक में संगठन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

श्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई प्रह्लाद मोदी तथा संजय श्रवण ने स्वर कोकिला भारत रत्न लता जी के घर जाकर शोक व्यक्त कर श्रधांजलि अर्पित की

मुंबई।दिवंगत स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी के घर प्रभु कुंज शोक व्यक्त करने बुधवार 9 फरवरी 2022 को श्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई श्री प्रह्लाद मोदी जी, समाजसेवक व फ़िल्म निर्माता संजय श्रवण तथा अन्य लोग पहुँचे,उन्होंने लता जी की फ़ोटो पर पुष्प अर्पित करके श्रधांजलि दी।इस अवसर पर उषा मंगेशकर जी,आदिनाथ मंगेशकर जी,प्रह्लाद मोदी की बेटी सोनाली बेन इत्यादि उपस्थित थे। सभी ने लता जी को याद किया।

सोशल मीडिया से:दीपिका पादुकोण की 'गहराइयां' में नजर आई उनकी छोटी बहन अनीशा, फैंस ने किया दावा

दीपिका पादुकोण स्टारर रिलेशनशिप ड्रामा गहराइयां रिलीज हो गई है। फिल्म के सीन पर डायरेक्टर ने बहुत बारीकी से काम किया है। इसके बाद फैन ने दावा की फिल्म में दीपिका की बहन अनीशा पादुकोण भी नजर आई हैं।

दीपिका-अनीशा के बचपन की फोटो यूज की है

गहराइयां में दो कजिन बहनों का कैरेक्टर है अलीशा और टिया का, जिसे दीपिका और अनन्या ने निभाया है। फिल्म के एक सीन में दोनो की बचपन की फोटो दिखाई जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह दीपिका की रियल लाइफ फोटो यूज की गई है। वह दीपिका और अनीशा के बचपन की तस्वीर है।

कॉकटेल में यूज हो चुकी है पापा की फोटो

फिल्म के सीन को देख एक फैन ने स्क्रीनशॉट लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। उसने लिखा, 'गहराइयां में यह चीज पसंद आई, अनीशा और दीपिका पादुकोण की पोट्रेट को फैमिली पोट्रेट्स में लगाया गया है।' वहीं एक यूजर ने कमेंट किया कि, 'मुझे नहीं पता कि यह दीपिका का आइडिया है या डायरेक्टर का लेकिन जब इस तरह का कुछ होता है तो मुझे बहुत पसंद है। कॉकटेल में भी दीपिका की फोटो उनके पापा के साथ दिखाई गई थी।'

अनीशा हैं गोल्फ प्लेयर

अनीशा पादुकोण बैटमिंटन प्लेयर प्रकाश पादुकोण की छोटी बेटी और दीपिका की छोटी बहन हैं। अनीशा का ग्लैमर की दुनिया से कोई वास्ता नहीं है। उनकी दिलचस्पी स्पोर्ट्स में है और वह एक प्रोफेशनल गोल्फ प्लेयर हैं।

एक्ट्रेस का दर्द:IPL ऑक्शन में शामिल नहीं होंगी प्रीति जिंटा, बोलीं- मैं अपने छोटे बच्चों को छोड़कर इंडिया नहीं आ सकती

बेंगलुरू में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन में पंजाब किंग्स की सह-मालकिन प्रीति जिंटा इस बार के ऑक्शन में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। हाल ही में मां बनीं प्रीति ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की और इसके पीछे का कारण भी बताया। साथ ही प्रीति ने यह भी बताया कि वो इस समय अपने छोटे बच्चों को अकेला नहीं छोड़ना चाहती हैं।

प्रीति ने शेयर की आईपीएल ऑक्शन की एक पुरानी फोटो

प्रीति ने आईपीएल ऑक्शन से एक पुरानी फोटो साझा करते हुए लिखा, "इस साल मैं आईपीएल नीलामी में हिस्सा नहीं ले पाऊंगी, क्योंकि मैं अपने छोटे बच्चों को छोड़कर इंडिया नहीं आ सकती। पिछले कुछ दिनों से मैं और हमारी टीम एक साथ में नीलामी और क्रिकेट की सभी चीजों पर चर्चा करने में व्यस्त रहे हैं।"

प्रीति ने पूछा फैन्स से खिलाड़ियों के सुझाव

प्रीति ने आगे लिखा, "मैं अपने फैन्स तक यह जानकारी देना चाहती थी और उनसे पूछना चाहती थी कि क्या उनके पास कोई खिलाड़ी सुझाव या हमारी नई टीम के लिए कोई सिफारिश है। मुझे यह जानकर अच्छा लगेगा कि आप इस साल लाल जर्सी में किसे देखना चाहते हैं।"

प्रीति को एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में पूछा, "तो पंजाब किंग्स की नीलामी कौन करेगा?" वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, "डेविड वॉर्नर को अपनी टीम में लाओ, यह आपके लिए फायदेमंद होगा और कगिसो रबाडा को भी आजमाएं।"

बता दें आईपीएल 2022 सीजन के लिए नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगी।

सरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों की मां बनीं हैं प्रीति

प्रीति की बात करें तो वो पिछले साल नवंबर में सरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों की मां बनीं हैं। मां बनने के बाद प्रीति अपने बच्चों की देखभाल में काफी बिजी रहती हैं।

शादी के पांच साल बाद प्रीति और उनके हसबेंड जीन गुडइनफ के घर में बच्चे की किलकारी गूंजी है। प्रीति ने खुद इस खबर की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को दी थी। बता दें उनके दो बच्चें हैं, जिनका नाम- जय जिंटा गुडइनफ और जिया जिंटा गुडइनफ है।

फिल्म रिव्यू-राजकुमार राव की 'बधाई दो' का सब्जेक्ट बहुत हटकर और बोल्ड है, फिल्म का यूनिवर्सल चलना कठिन है

अगर 'बधाई हो' एक सीनियर कपल के बच्चा होने की कहानी थी तो 'बधाई दो' समलैंगिक संबंधों पर बेस्ड है। राजकुमार राव देहरादून के पुलिस ऑफिसर हैं जो मर्दों में दिलचस्पी रखते हैं। भूमि पेडनेकर एक पीटी टीचर है जिन्हें शादी इसलिए नहीं करनी है क्योंकि उनका मन लड़कियों की तरफ आकर्षित होता है।

दोनों अपने-अपने परिवारों के मुंह बंद करने के लिए शादी कर लेते हैं, पर रूम मेट की तरह रहते हैं और अपने अपने समलैंगिक पार्टनर के साथ जीवन बसर करने लगते हैं। दुनिया और अपने परिवारों को अंधेरे में रखने के लिए उन्हें अलग-अलग तरकीबें अपनानी पड़ती हैं लेकिन अंत में उनका भांडा फूट जाता है।

हालांकि अक्षत घिढीलाल और सुमन अधिकारी की कहानी एक सीरियस मुद्दे को उठाती है, पर इस कहानी को कॉमेडी के रूप में लिखा गया है। अक्षत, सुमन और निर्देशक हर्षवर्धन कुलकर्णी की पटकथा में काफी सारे कॉमेडी सीन हैं, जो आपको हंसाते हैं लेकिन जिन लोगों को इस बोल्ड सब्जेक्ट से ही दिक्कत है, उन्हें शायद हंसी न आए। कथा और पटकथा की एक अच्छी बात यह है कि लेखकों ने दोनों मुख्य किरदारों को आम लोगों की तरह बताया है और समलैंगिक इंटीमेसी के सीन नहीं दिखाए हैं।

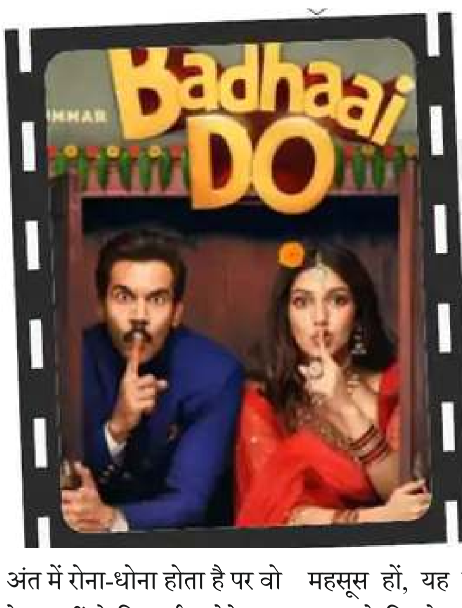

बधाई दो

• कास्ट	राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर
• डायरेक्टर	हर्षवर्धन कुलकर्णी
• रेटिंग	★★½

अंत में रोना-धोना होता है पर वो ऐसा नहीं है कि दर्शक रोने लग जाएं। इसके दो कारण हैं पहला, इस प्रकार के सेंटीमेंट सबको महसूस हों, यह नामुमकिन है। दूसरा ये कि लेखकों के कॉमेडी सीन काफी ओरिजिनल है और सीरियस सीन काफी पूर्व कथनीय हैं। यानी कि क्लाइमेक्स से पहले का इमोशनल ड्रामा बहुत असरदार नहीं है। एक और बात फिल्म बहुत लंबी है जिससे कभी-कभी बोरियत महसूस होने लगती है। अक्षत घिढीलाल के डायलॉग्स मजेदार हैं और वह सिचुएशन कॉमेडी को और भी बढ़ाते हैं।

एक्टिंग: राजकुमार राव ने बेहतरीन काम किया है। यूं मानो, वे इस रोल में छा जाते हैं। न सिर्फ उनकी एक्टिंग काबिल-ए-तारीफ है बल्कि उन्होंने जो अपनी फिजिक पर मेहनत की है वह भी प्रशंसनीय है। भूमि पेडनेकर का परफॉर्मेंस भी बड़ा नेचुरल है। जिन सीन में वो राव के साथ लड़ जाती हैं या उनके परिवार वालों की आंखों में धूल झोकने की तरकीबों से परेशान होती हैं, उनमें वह छा जाती हैं। रिमझिम की भूमिका में चम डांगर ठीक-ठाक हैं। सीमा पहवा अपनी एक अलग ही छाप छोड़ती हैं।

राजकुमार की मम्मी की भूमिका में शीबा चड्ढा चमकती हैं। स्पेशल अपीरियंस में गुलशन देवैया के काम की बड़ी तारीफ होगी। दोनों परिवारों के बाकी सदस्य - नितेश पांडे, लवलीन मिश्रा, शशि भूषण, प्रियंका चरण, नूतन सिन्हा, अर्चना पटेल और व्योम यादव का सपोर्ट सराहनीय है। राजकुमार राव के सीनियर के रोल में अभय जोशी और उनकी पत्नी की भूमिका में दुर्गा शर्मा के परफॉर्मेंस भी बढ़िया हैं। दरअसल कास्टिंग डायरेक्टर्स शिव चौहान और आशीष खरे ढूंढ-ढूंढ कर एक्टर्स लाए हैं।

डायरेक्शन और म्यूजिक: हर्षवर्धन कुलकर्णी का डायरेक्शन संवेदनशील है। कॉमेडी होते हुए भी फिल्म मुद्दे का मजाक नहीं उड़ाती है, बल्कि यह मैसेज देती है कि समाज को ऐसे लोगों को घृणा से देखने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करना चाहिए। फिल्म में म्यूजिक अच्छा है लेकिन सुपर हिट म्यूजिक की बात ही कुछ और होती है। टाइटल सॉन्ग (तनिष्क बागची) लोकप्रिय हो चुका है। 'हम रंग हैं' में वरुण ग्रोवर के बोल अच्छे हैं। हितेश सोनिक का बैक ग्राउंड स्कोर कॉमेडी को और भी उभारता है।

नए स्नातकों के लिए स्टार्ट अप के अवसर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

एक फ्रेश ग्रेजुएट होना जीवन के सही चुनाव करने के लिए का एक उपयुक्त क्षण है।

नए स्नातकों को विशेष रूप से अपने कार्य अनुभव और उनके द्वारा अर्जित कौशल सेट का एक दस्तावेज तैयार करने के बारे में विशेष रूप से सोचना चाहिए। एक स्टार्ट अप स्थापित करने के इच्छुक स्नातक को अनिवार्य रूप से व्यक्तिगत पोर्टफोलियो को बड़ी तस्वीर के साथ संरेखण में संरेखित करना शुरू करना चाहिए। एक उपयुक्त पेशेवर वेबसाइट पर एक व्यक्तिगत प्रोफ़ाइल सेट करना ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक ब्रांड छवि बनाने का सबसे आसान तरीका है। साधारण पेशेवर पेज तैयार करने के लिए बहुत सारी मुफ्त वेबसाइटें उपलब्ध हैं। डिजिटल मीडिया सामग्री की नियमित फीड, पहुंच और दृश्यता को बढ़ाने में मदद करती है। आज के समय में जीरो इन्वेस्टमेंट के साथ मार्केट करने का यह सबसे आसान तरीका है।

नेटवर्किंग के माध्यम से कनेक्शन बनाना, अल्पकालिक कार्यक्रमों में भाग लेना, बातचीत सत्रों में भाग लेना, प्रदर्शनियों, सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लेने के माध्यम से क्षेत्र के पेशेवरों से मिलने के अवसर पैदा करना अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक शानदार तरीका है।

स्वयं ब्रांड छवि स्थापित करना एक आवश्यक कार्य है, जो सोशल मीडिया के बुद्धिमान उपयोग के माध्यम से हो सकता है। कई सोशल मीडिया पेज नियमित अपडेट के माध्यम से घोषणाएं करने के लिए माइक्रो-साइट्स प्रदान करते हैं। कुछ पोस्ट को बढ़ावा देने और की दर्शकों तक पहुंचने में मदद करती है। स्टार्टअप की दुनिया में कदम रखने का सबसे आसान तरीका फ्री लांसिंग प्रोजेक्ट्स की पेशकश और बोली लगाना है। ये नमूना परियोजनाएं बाजार में लागू अनुभव सीखने और कमाने का अवसर प्रदान करती हैं। जैसा कि अधिकांश फ्रीलांसरों ने व्यक्त किया है कि पहली कुछ परियोजनाएं उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण थीं, क्योंकि वे सबसे गहरी अंतर्दृष्टि लेकर आई थीं। यदि आप एक नए वास्तुकार या एक इंटीरियर डिजाइनर हैं, तो यह एक ब्रांड आधार बनाने और स्टार्टअप के साथ करियर स्थापित करने की दिशा में पहला कदम के रूप में एक आदर्श तरीका है।

अब सरकारी गवाह बनना चाहता है सचिन वझे, ईडी को पत्र लिखकर की मांग

मुंबई: सचिन वझे ने ईडी को पत्र लिखकर अनिल देशमुख मामले में सरकारी गवाह बनने की इच्छा जाहिर की है। वझे ने तलोजा जेल से 4 फरवरी को यह पत्र ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर को लिखा है। ईडी ने अभी तक वझे के इस प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं किया है। ईडी ने अनिल देशमुख व कुछ अन्य लोगों को मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया है। सभी अभी तक जेल में ही हैं। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में वझे के खिलाफ सबूतों के देखने के बाद इस पर फैसला लिया जा सकता है। यदि सचिन वझे को सरकारी गवाह बनना है तो उसे कोर्ट के सामने एक एप्लीकेशन देनी होगी। ईडी को वझे की यह एप्लीकेशन गुरुवार के दिन मिली थी। जिसके बाद इस बात की जानकारी संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है। हालांकि पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के वकील इंद्रपाल सिंह ने एक बयान में कहा कि वझे को कोई अधिकार नहीं है कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बन सके। क्योंकि ईडी ने खुद उन्हें इस मामले में मुख्य अभियुक्त के तौर पर रखा है।

जान से मारने की धमकी

राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर सचिन वझे ने गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एंटीलिया के पास बरामद विस्फोटक सामग्री मामले में आरोपी और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे ने चांदीवाल आयोग के सामने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने मंगलवार को आयोग के पास एक हलफनामा दिया। इसमें वझे ने आरोप लगाया कि देशमुख ने उसके परिवार के सदस्य को जान से मारने की धमकी दी थी। हलफनामा में वझे ने यह भी दावा किया कि देशमुख के कहने पर उसने बार वालों से वसूली की थी। वझे का यह बयान आयोग के सामने क्रॉस-एग्जामिनेशन के समय दिए

गए जवाब के विपरीत है। वझे ने आयोग से पूर्व में दर्ज कराए अपने बयान को बदलने की मांग की थी, जिसे आयोग ने खारिज कर दिया।

पहले वझे ने कहा था मुझे याद नहीं

वझे से जब आयोग के सामने पूछा गया था कि क्या यह कहना सही होगा कि उनसे कभी भी देशमुख के निजी कर्मचारी अथवा उनसे जुड़े किसी व्यक्ति ने कभी पैसे की मांग की थी? इस पर वझे ने कहा था कि मुझसे निजी तौर पर किसी ने पैसे की मांग नहीं की थी। अब उनका कहना है कि हां, देशमुख से जुड़े लोग उनकी तरफ से पैसों की मांग करते थे। देशमुख और उनके लोग पैसे कलेक्ट करने के लिए कहे थे। इसी क्रॉस-एग्जामिनेशन के दौरान पूछा गया था कि क्या देशमुख के ऑफिस अथवा उनकी तरफ से बार मालिकों से पैसे वसूली करने को कहा गया था? इस पर पहले वझे ने जवाब दिया था कि मुझे याद नहीं है, लेकिन अब वझे अपना बयान बदलकर लिखवाना चाहते हैं कि हां, न सिर्फ देशमुख बल्कि उनसे जुड़े लोग भी मुझसे पैसे वसूली करने के लिए कहते थे।

सीबीआई ने की देशमुख के पूर्व सहयोगियों से पूछताछ

सीबीआई ने महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के सहयोगियों संजीव पलांडे और कुंदन शिंदे से जेल में लंबी पूछताछ की। पलांडे ने देशमुख के पर्सनल सेक्रेटरी के तौर पर लंबे समय तक काम किया है, जबकि शिंदे उनके असिस्टेंट थे। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, डिप्टी सुपरिटेंडेंट रैंक के अधिकारियों की टीम दोनों से गत सोमवार से पूछताछ कर रही है। गुरुवार को भी पूछताछ जारी रहेगी। पलांडे और शिंदे को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में कई महीने पहले गिरफ्तार किया था।

मेरा व्याह करा दो पंजाबी फिल्म पोस्टर लॉन्च

250 रिश्ते आए हैं नूर को, लेकिन किससे शादी करेगा वो? यह उनके जीवन की एक बड़ी समस्या है, यह निर्माता विभा दत्ता खोसला की पंजाबी फिल्म "मेरा व्याह करा दो" की कहानी का आधार है, जिसका पोस्टर आज 5 फरवरी 2022 को लॉन्च किया गया है। यह फिल्म मैक्सर मूवीज के बैनर तले बनी है और विभा दत्ता खोसला द्वारा निर्मित है, कहानी की पटकथा और निर्देशन सुनील खोसला ने किया है।

मुख्य कलाकार दिलप्रीत ढिल्लों और मैंडी, साथ में हॉबी धालीवाल, रूपिंदर रूपी, सनी गिल, संतोष मल्होत्रा, विजय टंडन, रेणु मोहाली, गोनी सागू, परमिंदर गिल, ओनिका, नविया सिंह और इंट्रोडूसिंग मनजोत सिंह और आरती शर्मा।

गुरमीत सिंह, जेएसएल सिंह, गुरमोह और शमिता भाटकर द्वारा संगीत दिया गया है, कुलदीप कंडियारा, विजय धाम्मि और जंग संधू के बोल है, गायक- मन्नत नूर, ज्योति नूरन, शिप्रा गोयल, गुरमीत सिंह और वज़ीर सिंह, अभिजीत वघानी है। यह राजू चड्ढा की प्रस्तुति है.

पालघर में ऐम्बुलेंस नहीं मिली तो डोली में अस्पताल गई गर्भवती

एक ओर पालघर जिले के पर्यटक स्थलों को सुधारने के लिए केंद्र व राज्य सरकार करोड़ो रुपये खर्च कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर यहां की चिकित्सा से जुड़ी सेवाएं भगवान भरोसे है। सड़क, अस्पताल,डॉक्टरों व सरकारी उपकरणों की कमी से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला बुधवार को जव्हार के पाथर्डी ग्राम पंचायत के एक गांव से सामने आया। यहां रास्ता व एम्बुलेंस नही मिलने से एक गर्भवती महिला को डोली के सहारे 8 किमी पैदल ले जाना पड़ा। यहां के विकास कार्यों की पोल खोल रही चिकित्सा सेवाएं दम तोड़ रही है।

बाइक पर ले जाना पड़ा था बेटे का शव

पिछले दिनों मोखाडा के सरकारी अस्पताल में ऐम्बुलेंस नही मिलने से एक पिता को अपने छह साल के बेटे के शव को बाइक से 35 किमी दूर ले जाना पड़ा। इस तरह की घटनाएं सामने आने से जिला प्रशासन की खूब किरकिरी हो रही है। जानकारी के अनुसार जव्हार के पाथर्डी ग्राम पंचायत के भाटिच पाडा गांव की रहने वाली अंजली नितिन तरे 9 माह की गर्भवती थी। पिछले दिनों रात के वक्त उसे पेट मे दर्द होने लगा। उसे अस्पताल ले जाना परिजन के लिए बड़ी चुनौती थी। सड़क, रास्ता व आसपास कोई डॉक्टर नहीं होने के चलते गांव के लोग अंधेरे में उसे डोली के सहारे 8 से 10 किमी दूर ले जाकर सकुर ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराए। उसके बाद उसे जव्हार के कुटीर अस्पताल में भेजा गया। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी है। उसके बाद भी जिला प्रशासन कुछ नही कर पाया है। इस बाबत जिला के कलेक्टर डॉ माणिक गुरसल ने बताया कि जिले में काफी विकास कार्य हुए है। जबकि हकीकत कुछ और ही है। आज भी यहां कई गांव ऐसे है। जहां सड़क, पानी, बिजली, चिकित्सा सेवाएं नही होने से ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

1034 करोड़ के भूमि घोटाले में प्रवीण राउत को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में पीएमएलए की विशेष अदालत ने 1034 करोड़ रुपये के भूमि घोटाले में प्रवीण राउत को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रवीण को गत दो फरवरी को गिरफ्तार किया था। ईडी ने पीएमएलए कोर्ट में मुंबई के एक व्यवसायी प्रवीण राउत की हिरासत बढ़ाने की मांग करते हुए कहा था कि वह राजनीतिक पहचान रखने वाले एक व्यक्ति के फ्रंट मैन की तरह काम कर रहा था। उससे अभी और पूछताछ की जरूरत है। इन तर्कों के बाद कोर्ट ने प्रवीण की ईडी हिरासत शुक्रवार तक के लिए बढ़ा दी था। मुंबई के एक बड़े जमीन घोटाले के सिलसिले में ईडी ने प्रवीण राउत को दो फरवरी को गिरफ्तार किया था। प्रवीण राउत को शिवसेना नेता संजय राउत का करीबी बताया जा रहा है। प्रवीण ने कुछ वर्ष पहले संजय राउत की पत्नी को 55 लाख रुपये दिए थे। पिछले वर्ष पीएमसी बैंक घोटाला उजागर होने के बाद इसे ऋण स्वरूप लिया गया पैसा बताते हुए राउत की पत्नी ने वर्षों बाद बिना ब्याज के यह राशि लौटा दी थी।

रामनाथ कोविंद ने कहा- लोकतंत्र में पारदर्शिता सुशासन के लिए बहुत जरूरी

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को मुंबई के राजभवन में दरबार हॉल का उद्घाटन किया। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि 'दरबार' शब्द आजादी से पूर्व राजाओं से जुड़ा है लेकिन वर्तमान में इसका मतलब पारदर्शिता है, जो लोकतंत्र में सुशासन के लिए बहुत जरूरी है। राष्ट्रपति ने कहा कि दिल्ली के राष्ट्रपति भवन की तरह मुंबई का राजभवन संविधान का प्रतीक है। दरबार में निजी और सीक्रेट कुछ नहीं होता। सबकुछ आमजन के सामने होता है। यहां तक की अब निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी जनता दरबार लगाकर लोगों से जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि नया दरबार नए इंडिया, नए महाराष्ट्र और जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक है।

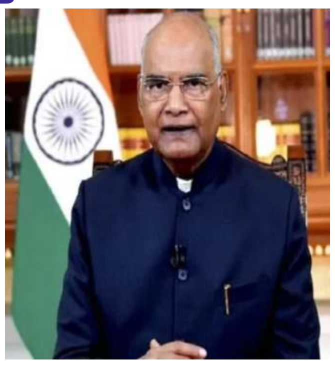

हेरिटेज इमारतें ब्रिटिश काल की विरासत हो सकती है लेकिन इससे महाराष्ट्र का वैभवशाली वर्तमान और भविष्य जुड़ा है। उन्होंने मुंबई से जुड़े अपनी यादों को भी साझा किया। राष्ट्रपति ने कहा कि महाराष्ट्र में जरूर कुछ खास बात है, जिस कारण वो बार-बार खींचे चले आते हैं। राष्ट्रपति ने बताया कि उनके साढ़े चार साल के कार्यकाल में वे 12 बार महाराष्ट्र आ चुके हैं। वह मोरारजी देसाई के निजी सचिव थे, जब उन्होंने बॉम्बे राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला और मुंबई में राजभवन में शपथ ली। गर्व की बात राजभवन में महाराष्ट्र के नक्शे का नेहरू ने किया उद्घाटन-ठाकरे इस मौके पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी मौजूद रहे। ठाकरे ने कहा कि दरबार हॉल पिछली शताब्दी के विकास का गवाह है। यह गर्व की बात है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 30 अप्रैल 1960 को राजभवन में संयुक्त महाराष्ट्र के नक्शे का अनावरण किया था। राष्ट्रपति कोविंद अपने चार दिवसीय महाराष्ट्र दौरे पर हैं। जिस दरबार हॉल का राष्ट्रपति ने उद्घाटन किया है, उसमें 750 लोग एक साथ बैठ सकते हैं।

सोशल मीडिया-अठावले ने थरूर को दिया अंग्रेजी का ज्ञान, ट्विटर पर लोग ले रहे मौज

अंग्रेजी शब्दावली के धनी और अप्रचलित शब्दों के इस्तेमाल के लिए पहचाने जाने वाले शशि थरूर की भाषा में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने गलती निकाल दी। इस बीच थरूर को अंग्रेजी का ज्ञान देने पर ट्विटर पर लोग जमकर चुटकी ले रहे हैं। अठावले ने तिरुवनंतपुरम के सांसद की अंग्रेजी पर हमलावर होते हुए कहा कि जब कोई अनावश्यक दावे करता है, तो उससे जरूर गलती होती है। केंद्रीय मंत्री ने थरूर के ट्वीट में गलती बताते हुए ट्विटर पर लिखा, प्रिय शशि थरूर, अनावश्यक बयानबाजी करने से आदमी गलती कर बैठता है। यह 'बाइजट' नहीं, बजट है। इसके अलावा यह 'रिलाई' नहीं रिप्लाई है। थरूर ने दरअसल बजट पर चर्चा के दौरान अठावले के उच्चारण को लेकर मजाक उड़ाया था।

देश में हो सेक्युलरिज्म का पालन, हिजाब पर छिड़ी बहस के बीच NCP नेता अजीत पवार की नसीहत

देशभर में इन दिनों हिजाब का मुद्दा काफी गरमाता जा रहा है. हिजाब के मुद्दे पर इन दिनों पूरे देश में डिबेट हो रही है. यह मामला अब कोर्ट तक पहुंच चुका है. इस मामले में अब राष्ट्रवादी कांग्रेस की एंट्री हो गई है. एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पावर ने नसीहत दी हैं कि लोगों को सेक्युलरिज़्म का पालन करना चाहिए. उन्होंने कहा कि हमारा देश सेक्युलर हैं, इसी वजह से सेक्युलरिज्म का पालन होना चाहिए. कर्नाटक में हुई हिजाब की घटना और उसके बाद देशभर में इस मुद्दे पर आ रही प्रतिक्रिया को अजित पवार ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है. एनसीपी नेता ने कहा कि ऐसी किसी भी घटना से हमें दूर रहना चाहिए, जिससे समाज में दरार आ सकती हैं या ग़लतफ़हमी पैदा हो सकती है. एनसीपी नेता ने कहा कि दो समाज में तनाव जैसे माहौल पैदा

करने वाली परिस्थिति से हमें दूर रहना होगा. उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसे राजनीति का मुद्दा बनाना चाहते हैं. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की संस्कृति हमें कभी नहीं सिखाती की दो धर्मों में दरार पैदा हो. केंद्र ने GST का किया अच्छा कलेक्शन एनसीपी नेता अजित पवार ने बजट ता भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा पेश किए गए बजट में महाराष्ट्र को GST का करीब 33 हजार करोड़ रुपए आना बाकी है. उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं हैं कि केंद्र सरकार पैसे नहीं देती लेकिन कोरोना काल में वह भी GST का पैसा नहीं जमा कर पाए हैं. अजीत पवार ने कहा कि जानकारी के मुताबिक जनवरी में केंद्र सरकार ने GST का अच्छा कलेक्शन किया हैं. उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही ये पैसा राज्य सरकार को मिलेगा. 'बजट को लेकर कैबिनेट में होगी चर्चा' 33000 करोड़ की जीएसटी की रकम का राज्य के बजट पर असर होने के सवाल पर अजीत पवार ने कहा कि इन मुद्दों पर पहले विधानभवन में चर्चा की जाएगी. उन्होंने कहा कि कैबिनेट में भी बजट को लेकर चर्चा होगी. अजीत पवार ने ये भी साफ किया कि बजट सेशन मुंबई में ही होगा. उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होती हैं. मीडिया से बातचीत में अजीत पवार ने कहा कि अन्ना हजारे आम दुकानों में वाइन बेचने के खिलाफ हैं, वह 14 फरवरी से महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करने जा रहे हैं. एनसीपी नेता ने कहा कि इक्साइज़ विभाग के अधिकारी जल्द ही उनसे मुलाकात कर मामले में सरकार की भूमिका बताएंगे.

नितिन गडकरी का दावा: भाजपा को पांचों राज्य में मिलेंगे सकारात्मक नतीजे, योगी के हिंदुत्व को लेकर की ये टिप्पणी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उम्मीद जताई है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा को काफी सकारात्मक नतीजे देखने को मिलेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काम को लेकर भी बात की और उनके हिंदुत्व पर अहम बयान दिया। गडकरी ने यूपी में योगी शासन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार राज्य में कानून का राज कायम करने में सफल रही है और पांचों राज्यों में पार्टी को गरीबों के लिए किए गए विकास और कल्याण कार्यों के लिए सकारात्मक नतीजे मिलेंगे। गडकरी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि योगी ऐसे सीएम हैं, जिन्होंने यूपी में कानून का राज स्थापित किया और गुंडा राज का खात्मा किया। विपक्षी दलों द्वारा कट्टर हिंदू छवि वाले मुख्यमंत्री की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हम जातिवाद और संप्रदायवाद में भरोसा नहीं करते। इसलिए यूपी की जनता

समाजवादी पार्टी और लोकदल के गठबंधन को नकार देंगी।" पांच राज्यों के चुनाव पर क्या बोले गडकरी? पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में फिर से सरकार बनाएगी और पंजाब में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरेगी। गौरतलब है कि पांच में से पंजाब एकमात्र राज्य है जहां भाजपा सत्ता में नहीं है। शिरोमणि अकाली दल का साथ छूटने के बाद भाजपा इस बार पंजाब में पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींढसा के नेतृत्व वाले संयुक्त शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों में भाजपा के प्रति नाराजगी के मुद्दे को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि केंद्र व प्रदेश की सरकार ने किसानों के लिए जितने काम किए हैं, उतने कभी भी किसी दूसरी सरकार ने नहीं किए। गन्ना, मक्का, चावल और गेहूं के अतिरिक्त स्टॉक को बायो इथेनॉल में तब्दील करने के लिए उठाए गए उपायों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अन्न दाता अब ऊर्जा दाता बन रहे हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।